▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 179 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 24-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स

आज
अंतिम दिन

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन
आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल
स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्त्ता -
नितल
इंफ्राप्रॉजेक्ट्स
एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट की सातवीं बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट द्वारा 7वीं बैठक का आयोजन लेडीज अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना की अध्यक्षता में राजाजीनगर कार्यालय में किया गया। इस मौके पर महिला कोषाध्यक्ष एवं स्वयम संयोजिका तनुजा मेहता सहित रेफ़रल हेड लीला पितलिया, रेफ़रल लीड मीनू जैन एवं रेफ़रल सेक्रेटरी संगीता जैन आदि उपस्थित थीं। मुख्य सत्र में टोस्टमास्टर एवं स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षक लता नाहर ने 'फायर ऑफ सक्सेस' विषय पर अपना समृद्ध कॉर्पोरेट अनुभव साझा करते हुए व्यावहारिक दृष्टिकोण और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से सदस्यों को आत्मविश्वास, प्रभावी संचार एवं सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अन्य सदस्याओं ने व्यवसायिक प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में अनेक सदस्याओं को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया ।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के बिन्नी मिल रोड स्थित संतोषी मां मंदिर का 22वां वार्षिकोत्सव वसंत पंचमी पर मनाया गया। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा प्रतिमाओं की विशेष अंगरचना की गई। महोत्सव के मौके पर मंदिर का ध्वजारोहण किया गया । अमरध्वजा कायमी के लाभार्थी रमेशकुमार अशोकुमार किशोरकुमार गिलुंडिया परिवार ने मंदिर के शिखर पर सरंक्षिका मृदुलाबेन जाडेजा के मार्गदर्शन में पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया।

चुनौतियों के बाद भी आवासीय और वाणिज्यिक बिक्री में विस्तार

बेंगलूरु। ब्रिगेड ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एम.आर. जयशंकर ने बेंगलूरु में आयोजित दक्षिण भारत ज्ञान सम्मेलन, 'क्रेडई साउथकॉन-2026' में कहा, दक्षिण भारत के रियल एस्टेट बाजार ने 2025 का समापन अनुमानित 20,000 करोड़ के आवासीय बिक्री मूल्य के साथ किया, जो महामारी के दौर से निर्णायक रूप से उबरने का संकेत है और उभरते टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर एक गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत देता है।

जयशंकर के अनुसार, अहमदाबाद, लखनऊ, इंदौर और कानपुर सहित उत्तर और पश्चिम में स्थित कहीं अधिक बड़े टियर-2 शहरों की उपस्थिति के कारण दक्षिण भारत अभी भी पूर्ण पैमाने पर अखिल भारतीय बाजार से पीछे है। इसके विपरीत, दक्षिण भारत के टियर-2 के प्रमुख शहर, विशेष रूप से कोयंबटूर, कोच्चि, त्रिवेंद्रम और तेजी से विकसित हो रहे विशाखापत्तनम (विजाग), अब इस क्षेत्र के प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभर रहे हैं। दक्षिण भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट ने 2025 के अनुमानों को पार कर लिया है, हालांकि इसकी मांग मध्यम स्तर की है। 2-4 मिलियन वर्ग फुट (कार्यालय), 4-8 मिलियन वर्ग फुट (खुदरा/मॉल), 8-12 मिलियन वर्ग फुट है।

डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को लेकर आदित्य ठाकरे ने केंद्र, भाजपा पर निशाना साधा

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के नए निचले स्तर पर पहुंचने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने के मामले में भाजपा ने चुप्पी साध ली है। ठाकरे ने कहा कि रुपया नए निचले स्तर पर आ गया है और अब यह दुनिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक है।

शिवसेना (उबाठा) विधायक ने कहा, भाजपा की केंद्र सरकार और उसके सदस्य, जिन्होंने कभी डॉलर के मुकाबले रुपए के 40 के स्तर पर होने को लेकर हंगामा मचाया हुआ था, अब डॉलर के मुकाबले 91.99 रुपए पर नागरिकों को स्पष्टीकरण देने की जहमत तक नहीं उठाते। रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली सुधार के साथ 91.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी के दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से घरेलू मुद्रा दबाव में रही।

जीएसटीएन ने पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य आधारित मूल्यांकन पर परामर्श जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी नेटवर्क ने शुक्रवार को पान मसाला जैसे तंबाकू उत्पादों के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) आधारित मूल्यांकन पर एक परामर्श जारी किया। ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और मासिक बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 एवं इनवॉइस प्रस्तुत करने की सुविधा में सूचना देने के लिए यह परामर्श जारी किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने पान मसाला पर उच्चतम 40 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर के ऊपर स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर को अधिसूचित किया है, जो एक फरवरी से प्रभावी है। कुल कर का बोझ 88 प्रतिशत के मौजूदा स्तर पर ही रहेगा। इस समय पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी और साथ ही एक क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। एक फरवरी से पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के प्रतिशत के रूप में जीएसटी लगाया जाएगा और उपकर निर्माता की स्थापित उत्पादन क्षमता पर लगाया जाएगा। परामर्श जारी करते हुए जीएसटीएन ने कहा कि करदाताओं को कर योग्य मूल्य क्षेत्र में शुद्ध बिक्री मूल्य की सूचना देनी होगी।

बसंत पंचमी

प्रयागराज में शुक्रवार को इंटरनेशनल किन्नर अखाड़े के सदस्य प्रयागराज में चल रहे 'माघ मेले' के दौरान 'वसंत पंचमी' त्योहार के मौके पर रस्में निभाते हुए।

बारिश के बीच गणतंत्र दिवस परेड के लिए 'फुल ड्रेस रिहर्सल' संपन्न, फ्लाईपास्ट नहीं हो पाया

नई दिल्ली/भाषा

राष्ट्रीय राजधानी में 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के लिए शुक्रवार को बारिश के बीच 'फुल ड्रेस रिहर्सल' किया गया। बारिश की वजह से पूर्वाभ्यास में थोड़ा विलंब हुआ और सैन्य कर्मियों और कलाकारों ने भीगते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च किया।

अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के मद्देनजर फ्लाईपास्ट और परेड के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुछ हिस्सों का पूर्वाभ्यास नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि परेड का 'फुल ड्रेस रिहर्सल' पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे से पूर्वाह्न 11:45 के बीच हुआ।

हर साल फुल ड्रेस रिहर्सल के दिन भी दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है जिसके लिए आधिकारिक पास जारी किए जाते हैं। हालांकि, खराब मौसम के कारण शुक्रवार को दर्शक दीर्घाओं में सन्नाटा पसरा रहा।

बारिश की बौछारों ने शहर के कुछ हिस्सों में यातायात को भी बाधित कर दिया, लेकिन इससे मार्च करने वाले दल के सदस्यों का उत्साह कम नहीं हुआ।

परेड के मार्ग, विजय चौक से लाल किले तक विभिन्न हथियार प्रणालियों के साथ सैन्यकर्मी मार्च करते हुए निकले, और भीगने के बावजूद उन्होंने उच्च मनोबल और जोश का प्रदर्शन किया।

गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाली सेना की टुकड़ियों में से एक के कमांडर ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया, बारिश हुई और ठंड एक चुनौती थी। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी के भीतर का जोश हमें उत्साहित करता है क्योंकि हमें कर्तव्य पथ पर अपनी सेवा या किसी मंत्रालय या संगठन का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।

परेड के मुख्य आकर्षणों में से एक, फ्लाईपास्ट देखने के लिए विशेष रूप से आए कई दर्शक निराश हुए। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा कि वे भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के भव्य प्रदर्शन को देखकर भी संतुष्ट हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई स्वदेशी हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले बताया था कि पारंपरिक प्रथा के तहत दर्शक दीर्घाओं के लिए 'वीवीआईपी' और अन्य नामों का प्रयोग किया जाता था लेकिन इससे हटकर इस बार सभी स्थानों का नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि इनमें ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना शामिल हैं।

वाराणसी निवासी और प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली में रह रहे प्रभात गौरव (23) ने कहा कि उन्होंने किसी तरह अपने मोबाइल फोन और पर्स को भीगने से बचाने के लिए कुछ पॉलिथीन बैग का इंतजाम किया।

गौरव रिहर्सल देखने के दौरान पूरी तरह से भीग गए थे और उन्होंने अपना परेड एंट्री पास का बचा हुआ हिस्सा दिखाया जो पूरी तरह से भीगा हुआ था।

प्रतिमा का अनावरण

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर विधान सौधा के उत्तर-पूर्वी हिस्से में पुनः स्थापित की गई नेताजी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधायक रिजवान अरशद, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नासिर अहमद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आलापी ने मनाई सरस्वती पूजा

बेंगलूरु। यहां 'आलापी' संस्थान द्वारा बेंगलूरु में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम में विद्या और कला की देवी माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुजीत, स्निग्धा, सुमंत, नीता, सौरव, दोयल, अभिनीत, इंद्रजीत, मौमिता, सुष्मिता, पायल और बिशु का विशेष योगदान रहा।

जम्मू के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश

जम्मू/भाषा। प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर सहित जम्मू क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई मध्यम से भारी बर्फबारी के कारण कई अहम सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। इसकी वजह से हवाई और रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ और उधमपुर जिलों के बर्फ से ढके इलाकों से 100 से अधिक फंसे हुए लोगों को बचाया गया। वहीं, जम्मू शहर सहित मैदानी इलाकों में मध्यम बारिश हुई, जिससे दो महीने से अधिक समय से जारी शुष्क मौसम खत्म हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार बृहस्पतिवार देर शाम अधिकांश ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हवाओं के साथ बर्फबारी शुरू हुई। उन्होंने बताया कि जम्मू शहर सहित मैदानी इलाकों में रात भर रुक-रुक कर बारिश होती रही। अधिकारियों ने बताया कि रामबन, डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी, रियासी, उधमपुर और कठुआ जिलों के ऊचांई वाले इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी जारी है। उन्होंने बताया कि कई इलाकों में कुछ इंच से लेकर दो फीट से अधिक तक बर्फबारी हुई।

अधिकारियों के मुताबिक दिसंबर के आखिरी सप्ताह में ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात हुआ था। हालिया बारिश से लोगों, विशेषकर किसानों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को राहत मिली और क्षेत्र में शुष्क मौसम खत्म हो गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुंछ जिले के मेंढर क्षेत्र के तोतागली में फंसे 70 लोगों को खराब मौसम के बावजूद सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि कृष्णा घाटी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण फंसे 30 अन्य यात्रियों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के बावजूद पुलिस ने एक और बचाव अभियान चलाया गया और उधमपुर जिले के बसंतगढ़ क्षेत्र के चोचरू गल्ला में बर्फबारी की वजह से फंसी महिलाओं और बच्चों सहित 12 लोगों को बचा लिया गया।

इसी बीच,माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, श्री माता वैष्णो देवी भवन (रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर स्थित) में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। भक्तों को मनमोहक मौसम का अनुभव करने का मौका मिला क्योंकि ताजा बर्फ ने धीरे-धीरे मां वैष्णो देवी भवन और भैरव मंदिर के पवित्र परिसर को सुशोभित कर दिया, जिससे वातावरण शांति, भक्ति और दिव्य आनंद से भर गया।

अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर ताराकोटे और बाणगंगा दोनों मार्गों से यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अब इसे बहाल कर दिया गया है।

कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र साल भर खुली रहने वाली सड़क, 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को बर्फबारी की वजह से यातायात के लिए बंद करना पड़ा है जिससे, हजारों वाहन फंसे हुए हैं।

गिरिराज सिंह का कपड़ा क्षेत्र पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर तीखा हमला

नई दिल्ली/भाषा

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में कपड़ा निर्यात बढ़ा है और इस क्षेत्र में पांच करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं।

सिंह ने एक्स पर गांधी की एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को झूठ फैलाकर देश को गुमराह करना बंद करना चाहिए और राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए। गांधी ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क ने भारत के कपड़ा क्षेत्र को पंगु बना दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला (आईआईजीएफ) के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए सिंह ने कहा, हमने 11 साल में कपड़ा क्षेत्र में पांच करोड़ लोगों को रोजगार देने का काम किया है। यह शटडाउन (तालाबंदी) नहीं है...। राहुल गांधी देश के खिलाफ बोलना बंद करें। आपके दिमाग का शटडाउन हुआ है, इंडस्ट्री का शटडाउन नहीं हुआ है।

यह दावा करते हुए कि अमेरिकी शुल्क कपड़ा निर्यातकों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रहे हैं, गांधी ने शुक्रवार को कहा कि यह अनिवार्य है कि भारत अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करे, जो भारतीय व्यवसायों और श्रमिकों को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी 'खुद की कमजोरी' का प्रभाव अर्थव्यवस्था पर और अधिक नहीं पड़ने देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने हरियाणा में एक परिधान फैक्ट्री की अपनी हाल की यात्रा का एक वीडियो एक्स पर साझा किया, जहां उन्होंने कपड़ा सिलनेवालों के कौशल और लोगों के लचीलेपन को देखा।

सिंह ने गांधी के बारे में कहा, उन्हें माफी मांगनी चाहिए और गलत जानकारी नहीं फैलानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि यदि गांधी राष्ट्र से माफी नहीं मांगते हैं, तो उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए।

मंत्री ने दावा किया कि कपड़ा और परिधान उद्योग बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल और दिसंबर 2024 के बीच कपड़ा निर्यात 95,000 करोड़ रुपए का था, जो अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान और बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रुपए हो गया। मंत्री ने सवाल किया, कौन सा शटडाउन हुआ है, कौन सा निर्यात गिरा है। आप देश में गलत जानकारी फैला रहे हैं।

सिंह ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत ने कई व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रार्थना

श्रीनगर में शुक्रवार को श्रीनगर में हजरतबल दरगाह पर शब-ए-मेराज सेलिब्रेशन के बाद हेड पुजारी पैगंबर मुहम्मद (मोई-ए-मुकद्दस) की पवित्र निशानी दिखाते हुए भक्त प्रार्थना करते हुए।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़कर 700 अरब डॉलर के पार

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया।इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था।मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन हाल के दिनों में इस पर दबाव देखा गया। खासकर तब जब रुपए में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया गया।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख हिस्सा हैं, 9.65 अरब डॉलर बढ़कर 560.51 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं।

आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.62 अरब डॉलर बढ़कर 117.45 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.70 अरब डॉलर रह गए।

शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 7.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.68 अरब डॉलर रह गई।

■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 179 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 24-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में बंगाली सुरक्षित नहीं, बदलाव का समय आ गया : नड्डा

6 राष्ट्रीय बालिका दिवस : सशक्त बेटियाँ, समृद्ध राष्ट्र

7 'गनमास्टर जी9' से नई शुरुआत करने जा रही जेनेलिया देशमुख

फर्स्ट टेक

ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश को नाकाम किया गया

अमरेली/भाषा। गुजरात के अमरेली जिले में रेल पटरी पर पत्थर और सीमेंट के खंभे रखकर एक यात्री ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश को उस समय विफल कर दिया गया जब लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगा दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार की शाम को खिजड़िया जंक्शन और चितल रेलवे स्टेशन के बीच उस समय घटी जब भावनगर-पोरबंदर यात्री ट्रेन (59560) खिजड़िया गांव से गुजर रही थी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

द्रमुक और 'सीएमसी' को जड़ से उखाड़ फेंकना है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरंतकम (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर जोरदार हमला बोला और उसे 'सीएमसी' करार दिया। प्रधानमंत्री के अनुसार, सीएमसी का अर्थ है 'करप्शन, माफिया, क्राइम'।

मोदी ने कहा कि राज्य में ''भ्रष्ट'' द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है।

मोदी ने राजग के घटक दलों - अन्नाद्रमुक, एएमएमके और पीएमके (अंबुमणि गुट) के कार्यकर्ताओं और आम जनता की विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''द्रमुक 'सीएमसी' है यानी - भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध को बढ़ावा देने वाली सरकार। तमिलनाडु की जनता ने द्रमुक और 'सीएमसी' को जड़ से उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।'' राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने इस रैली में भाग लिया।

गठबंधन दलों के नेताओं ने मोदी को स्मृति चिह्न के रूप में चांदी की तिरुप्पारनकुंड्रम मुरुगन प्रतिमा और इलायची की माला भेंट की। थिरुप्पारनकुंड्रम के भगवान मुरुगन मंदिर में कार्तिकई दीपक जलाने के विवाद को लेकर उन्होंने कहा, ''जहां हमारे नेताओं ने भक्तों के अधिकारों का समर्थन किया, वहीं द्रमुक ने वोट बैंक की राजनीति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने अदालत का भी सहारा लिया।''

तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए होने वाले चुनावी मुकाबले का बिगुल फूंकते हुए, मोदी ने रैली में जुटी भारी भीड़ की ओर इशारा किया और कहा कि ''भाजपा-राजग की 'डबल इंजन' सरकार निश्चित रूप से बनेगी। लोगों का यह विशाल जनसमूह पूरे तमिलनाडु और देश के लिए एक सशक्त संदेश है; तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है।''

जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी मुठभेड़ में ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। जम्मू पुलिस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिल्लावार में सेना और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया।

अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर न पड़ने दें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी शुल्क के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को ''हो रहे नुकसान'' को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

राहुल गांधी ने हाल ही में

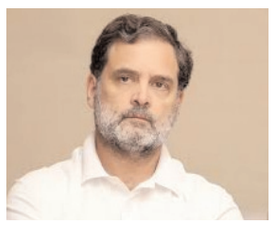

गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, ''मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए।''

उनका कहना था, ''भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं, और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, ''अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं।'' उनका कहना था, ''इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।''

हर भारतीय को स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए।

राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन 'पराक्रम' के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता आया है।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

उड़िया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं... लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए।''

उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था।

फूलों की नगरी बैंगलोर में
राष्ट्रसंत, दक्षिण सम्राट उपप्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री नरेश मुनिजी म.सा., शासन रत्न गुरुदेव श्री शालिभद्रजी म.सा. की मंगलमय निश्रा में
अध्ययन रत जिनशासन प्रभाविका श्रमणीसूर्या उपप्रवर्तनी गुरु मां डॉ दर्शन प्रभाजी म.सा. द्वारा प्रेरित
अध्यात्म आराधक मुमुक्षु श्री लवेशजी सिंघवी का
जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव
....निर्मल निश्रा....
आगम रत्नाकर रोचक व्याख्यानी पूज्य श्री ज्ञान मुनिजी म.सा. ठाणा - 2
शासन सूर्या उपप्रवर्तनी गुरु माँ श्री सत्यप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा - 6
तप सूर्या गुरु माँ श्री सुप्रभाजी म.सा., शासन ज्योति दक्षिण दीपिका गुरु माँ डॉ. श्री प्रतिभा श्री जी म. सा. आदि ठाणा - 11
दर्शन शिशु प्रखर वक्ता महासाध्वी डॉ. श्री मेघा श्री जी म. सा. आदि ठाणा - 3
प्रवचन प्रवक्ता महासाध्वी श्री ऋद्धि श्री जी म.सा. आदि ठाणा - 2
सस्नेह निमंत्रण
चतुर्थ दिवस 24TH JAN 2026 SATURDAY
प्रातः 8:30 बजे से संयम शोभायात्रा (वर्षीदान वरघोड़ा) पार्क वेस्ट से गुरुवन्ना देवरु मठ,
प्रात : 09:30 बजे धर्म सभा मे परिवर्तित होगी।
दोपहर 2:00 बजे संयम संगीत बड़ी सांझी
रात्रि 7:00 बजे दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह
प्रस्तुति - बंधु मंडल (साफा मंडल) द्वारा
वरघोड़ा आकर्षण महावीर दर्शन बैंड, चामराजपेट सुविहीत जैन बंधु मंडल बसवनगुड़ी
SUNDAY
पंचमदिवस
25TH JAN 2026
बृहद् थाल सुबह 7:30 बजे
महाभिनिष्क्रमण यात्रा
सुबह 8:30 बजे
दीक्षोत्सव प्रातः
9:00 बजे
....संपूर्ण दीक्षा महोत्सव के लाभार्थी धर्म परिवार...
पूज्या मातुश्री प्यारी बाई, पूज्य पिताश्री धीगड़मलजी की स्मृति में शा.मीठ्ठालालजी दीपचंदजी भंवरलालजी, अरुणकुमारजी भरतकुमारजी मिशांत.कुश एवं समस्त भूतोनी भंसाली परिवार (करमावास) फर्म : मरक्युरी पेपर एजेन्सीज, बेंगलूरु
पूज्य पिताश्री जवरीलालजी, पूज्य भ्राताश्री प्रकाशचन्दजी रातड़िया की स्मृति में पूज्य मातुश्री शांतिदेवी की प्रेरणा से शा. उत्तमचन्दजी, पदमराजजी, मनीषजी, नितेशजी, राहुलजी, चिरागजी, युगजी एवं समस्त रातड़िया परिवार सोजत-पाली-बेंगलुरु फर्म : सुमन इलेक्ट्रिक उद्योग प्रा. लि. बेंगलुरु
मुख्य अतिथि गण
श्री दिनेशजी गुंडूराव कर्नाटक स्वास्थ्य व चिकित्सा मंत्री
श्री पी.सी. मोहनजी सांसद- बेंगलूरु मध्य
श्री लहरसिंहजी सिरोया सांसद- राज्यसभा
तत्पश्चात सकल श्री संघ कर गौतम प्रसादी
शुभ स्थल : गुरुवन्ना देवरुमठ, ईटा गार्डन अपार्टमेन्ट के पास, बेंगलूरु
दीक्षा महोत्सव के साक्षी बनकर संयम सफर के चश्मदीद गवाह बनें, सकल संघ के गौतम प्रसादी ग्रहण करने का आत्मीय निवेदन है।
निमंत्रक : श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) एवं आराधना केन्द्र, बेंगलूरु
श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन सेवा संगठन • श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन महिला मंडल • श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन युवती मंडल • श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन बालिका मंडल

चित्रकला कार्यशाला का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान एवं राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला कार्यशाला का आयोजन जवाहर कला केन्द्र की चतुर्दिक कला दीर्घा में शुक्रवार को किया गया। इस चित्रकला कार्यशाला का उद्घाटन जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चित्रकला कार्यशाला आयोजित करने का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना हैं।

राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार खण्डेलवाल ने बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर यह चित्रकला कार्यशाला राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा महाविद्यालय के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

इस प्रतियोगिता में इस वर्ष राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन के 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों ने निर्वाचन विभाग द्वारा दी गयी थीम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आधारित चित्र बनाये। इस कार्यशाला के संयोजक श्री पंकज यादव, सहायक आचार्य ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ 10 कृतियों को जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सभी चित्र दिनांक 25 जनवरी को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर, जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शित किये जायेंगे, जिसका उद्घाटन एवं अवलोकन महामहिम राज्यपाल श्रीमान हरिभाऊ बागडे द्वारा किया जायेगा।

इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती संघमित्रा बरडिया, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, बगरू एवं सहायक नोडल अधिकारी श्री बजरंग लाल स्वामी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, आमेर भी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

भरतपुर में अग्निवीर का शव झाड़ियों में पड़ा मिला

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में 22 साल के एक 'अग्निवीर' का शव उनके गांव के पास झाड़ियों में मिला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वह छुट्टी पर घर लौटे थे। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पुष्पेंद्र सिंह के रूप में हुई है और वह चिकसाना थानाक्षेत्र के पीपला गांव के रहने वाले थे। 'अग्निवीर' पुष्पेंद्र सियाचिन इलाके में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि पुष्पेंद्र ने बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे अपने पिता को फोन कर बताया था कि वह जल्द ही घर पहुंच जाएंगे लेकिन जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के सदस्यों व गांव वालों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया और लगभग आधी रात को उनका शव घर से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर झाड़ियों में मिला।

पुलिस के मुताबिक, आशंका है कि किसी अज्ञात गाड़ी ने पुष्पेंद्र को टक्कर मारी होगी। पीपला चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची। सिंह ने बताया, युवक की मौत हो चुकी थी। शुरुआती जांच में पता चला कि मौत सड़क हादसे में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा बीकानेर की उस्ता कला का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष प्रदेश के बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई राजस्थान की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान ङ्की झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के डिजाइनर एवं पर्यवेक्षक हर शिव कुमार शर्मा ने बताया कि कर्तव्य पथ पर शुक्रवार को राजस्थान मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श विषयक राजस्थान की झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्ठा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है।

उन्होंने बताया कि ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं।

शर्मा ने बताया कि झांकी के चारों ओर गैर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकारों ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह झांकी पारंपरिक कला, लोक संस्कृति और शाही विरासत का सजीव संगम बनकर सामने आई।

राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस झांकी का निर्माण राज्य की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता तथा उप सचिव अनुराधा गोगिया के मार्गदर्शन में किया गया है।

कांग्रेस ने मनरेगा को बनाया भ्रष्टाचार का एटीएम : बगड़ी

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने दशकों तक देश की संपत्तियों और योजनाओं को केवल 'एक परिवार' के नाम की जागीर समझा, आज उसे 'विकसित भारत' और 'जी राम जी' के नाम से दर्द हो रहा है। यह विधेयक महात्मा गांधी की सोच के अनुरूप और देश के गरीब कल्याण के संकल्प को सिद्ध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा खड़ा करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनरेगा को 'भ्रष्टाचारियों की एटीएम' बना दिया था, मोदी सरकार ने 11 साल में उसे 'मजदूरों की तिजोरी' बना दिया और अब 'जी राम जी' विधेयक उस पर 'डिजिटल ताला' है।

युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के विजन को करेगी साकार : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को युवा आवास जोधपुर में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित 'विकसित भारत : अन्नदाता का मान, श्रम-शक्ति का सम्मान' मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वन्दे मातरम 150 और विकसित भारत 2047 की थीम पर आधारित प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की योजनाओं, कृषि नवाचारों और श्रम सुधारों से आमजन को रुबरु करवाया गया।

पटेल ने कहा बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं बल्कि ज्ञान, विद्या और नवसृजन का प्रतीक है, जो हमें सकारात्मक सोच और निरंतर प्रगति की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए कहा कि उनका अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और त्याग आज भी प्रत्येक भारतीय, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा नेताजी का जीवन हमें सिखाता है कि सशक्त नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से देश की तकदीर बदली जा सकती है।

पटेल ने डॉ कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सपना वो नहीं है जो आप नींद में देखे, सपने वो है जो आपको नींद ही नहीं आने दे। उन्होंने कहा युवा अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा और मनोयोग के साथ कार्य करें। पटेल ने कहा युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करेगी। उन्होंने कहा युवा ही भारत का भविष्य हैं, और आज भारत के युवा विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा और स्टार्टअप जैसे हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ा रहे है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा योग शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाकर हमें स्वस्थ और ऊर्जावान बनाता है।

मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में ओएमआर शीट बदले जाने व प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

गहलोत ने इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार 2024 व 2025 की सभी परीक्षाओं की भी गंभीरता एवं गहराई से जांच करवाए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दोपहर में सिरोही में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया, वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री (गहलोत) के घर तक भी जा रही है।

शर्मा ने सवाल किया कि इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की भूमिका क्या थी? इसके बाद गहलोत ने रात में 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो मुझे मिले फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। हम आपकी तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे। आपको ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री से सवाल किया, आप तो केवल ये बताइए, क्या 2024 और 2025 में ओएमआर शीट बदली गई हैं या नहीं। प्रदेश का युवा जवाब चाहता है क्योंकि लगातार ऊंची कट-ऑफ जाने से इसका संबंध जुड़ रहा है।

गहलोत ने मुख्यमंत्री से कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो कांग्रेस सरकार के दौरान बने कानून से दोषियों को आजीवन कारावास की सजा, 10 करोड़ रुपये का जुर्माना और उनकी संपत्ति जब्त कर तथा इन भर्ती परीक्षाओं के नतीजों में पारदर्शिता लाकर न्याय सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इस प्रकरण में मंगलवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख सहित चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।

कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को बारिश हुई। मौसम विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर वज्रपात तथा तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

सबसे अधिक 13.0 मिलीमीटर बारिश पुष्कर, अजमेर में दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम कोहरा भी दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 29.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज शुक्रवार को भी बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर, अजमेर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में भी आकाशीय बिजली चमकने के साथ हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है। राज्य के उत्तरी व पश्चिमी भागों में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 27-28 जनवरी को सक्रिय होगा।

बाड़मेर में बिजली चोरी की जांच के दौरान अभियंता से हाथापाई, युवक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बिजली चोरी के खिलाफ निरीक्षण अभियान के दौरान एक युवक ने सहायक अभियंता से कथित तौर पर हाथापाई की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि यह घटना सेडवा थाने के लखमीरों की ढाणी में उस समय हुई, जब सहायक अभियंता अशोक कुमार के नेतृत्व में बिजली वितरण कंपनी 'डिस्कॉम' की टीम ने नियमित जांच के दौरान अवैध बिजली कनेक्शन पाया। उन्होंने बताया कि टीम ने पाया कि एक घर में केबल के जरिए अवैध रूप से बिजली की आपूर्ति की जा रही थी।

न्याय दिलाने में अभियोजन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका : बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शुक्रवार को सवाई माधोपुर जिले की गंगापुर सिटी में नवनिर्मित अभियोजन भवन का लोकार्पण किया। राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण, महिलाओं के उत्थान, किसानों की समृद्धि, युवाओं के सपनों को साकार करने और पीड़ित को सही समय पर न्याय मिले इसके लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में अभियोजन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में पहले ही दिन से उमंग, चैन, शांति स्थापित करने के लिए प्रयास किए है जिनके परिणाम स्वरूप एक महीने पहले जारी एनसीआरबी 2022-23 की रिपोर्ट की तुलना में विगत दो वर्षो में सभी प्रकार के अपराधों में 14 प्रतिशत से अधिक की कमी आई। वहीं हत्या जैसे गम्भीर मामलों में 50 प्रतिशत तक और एससी/एसटी के अपराधों और दंगों जैसी घटनाओं में 60 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान में अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को सशक्त बनाया गया। जिससे अपराधियों में भय और आमजन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायिक व्यवस्था हमारी कोर्ट में दाण्डिक सोच के आधार पर बनाए गए कानून में आजादी के 80 वर्ष बाद परिवर्तन करते हुए न्यायिक व्यवस्था पर आधारित कानूनों को देश में लागू किया है। उन्होंने कहा कि अब भारतीय दण्ड संहिता नहीं भारतीय न्याय संहिता होगी।

विवाह के बंधन में बंधेंगे हत्या के जुर्म में सजा काट रहे युवक-युवती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की खुली जेल में हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहे दो कैदी शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। भावी वर और वधु हत्याओं के दो अलग-अलग सनसनीखेज मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इनमें युवती प्रिया सेठ (34) डेटिंग ऐप पर युवक को फंसाने और बाद में उसका गला घोंटने के मामले में जेल में है। वहीं युवक हनुमान प्रसाद (29) ने अपनी कथित प्रेमिका के साथ मिलकर उसके पति और बच्चों की हत्या कर दी थी। अदालत से सजा मिलने के बाद ये दोनों यहां सांगानेर खुली जेल में रह रहे थे। यहीं उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला किया है। इस हफ्ते की शुरुआत में दोनों कैदियों को 15 दिन की पैरोल दी गई।

उनके वकील विश्राम प्रजापत ने बताया कि सात जनवरी को राजस्थान उच्च न्यायालय ने पैरोल कमेटी को निर्देश दिया था कि इनके आवेदनों पर सात दिन के भीतर पर फैसला करें। इसके बाद इन्हें पैरोल दी गई है। उन्होंने कहा, अदालती आदेश पर कार्रवाई करते हुए पैरोल कमेटी ने उनकी रिहाई को मंजूरी दे दी जिससे दोनों बुधवार को जेल से बाहर आ सके। इन दोनों की शादी हनुमान प्रसाद के पैतृक गांव, अलवर जिले के बड़ौदामेव में होगी।

सूत्रों ने बताया कि पिछले एक साल में खुली जेल में रहने के दौरान हनुमान प्रसाद व प्रिया एक दूसरे के करीब आ गए थे। यह जेल 'राजस्थान प्रिजनर्स ओपन एयर कैंप नियम, 1972' के तहत चलाई जाती है जहां चुने हुए कैदियों को दिन में बाहर काम करने और शाम तक कैंप में लौटने की अनुमति होती है। प्रिया को 2018 में जयपुर में हुई सनसनीखेज हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। इसमें दुष्यंत शर्मा (27) का शव शहर के बाहरी इलाके में एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पीड़ित से डेटिंग ऐप के जरिए मिली। उसने उसे बजाज नगर में अपने किराए के फ्लैट में बंधक बनाया, उसकी हत्या कर दी और बाद में शव को ठिकाने लगा दिया। प्रिया को 2023 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

वहीं प्रसाद को भी 2023 में दोषी ठहराया गया था। उसे अलवर में 2017 के एक सनसनीखेज हत्याकांड मामले में दोषी पाया गया था। इसमें एक आदमी, उसके तीन बेटों और एक भतीजे की हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी का महिला संतोष शर्मा से रिश्ता था। आरोप था कि उसने पीड़ितों को नशीली दवा देकर परिवार की हत्या करने की साजिश रची थी।

हालांकि पैरोल देने के फैसले का विरोध हुआ है। दुष्यंत शर्मा मामले में पीड़ित परिवार के वकील संदीप लोहारिया ने कहा कि वह पैरोल के आदेश को चुनौती देंगे। उन्होंने कहा, पैरोल मिलने के बाद भी हमें सूचित नहीं किया गया। हम इस फैसले के खिलाफ अदालत जाएंगे। बहरहाल, यह शादी जिन 'विशेष' हालात में हो रही है उसने लोगों का ध्यान खींचा है। जेल अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि प्रक्रिया मौजूदा नियमों के अनुसार ही की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ओपन-एयर कैंप सिस्टम के तहत छह सदस्यों की समिति पैरोल और पुनर्वास के लिए पात्रता का मूल्यांकन करती है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर दिलाई मतदाता शपथ

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विभागीय कार्मिकों को मतदाता शपथ दिलवाई तथा मतदान के प्रति और अधिक जागरूकता लाने की अपील की। अंबेडकर भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मोदी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी थीम, टैगलाइन एवं लोगो का कार्यालय पत्राचार में प्रयोग किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाने वाला मतदाता दिवस हमें हमारे संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। मोदी ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। किसी भी प्रकार के प्रलोभन, भय या दबाव से मुक्त होकर, सत्य और विवेक के आधार पर किया गया मतदान ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है।

नोकिया कर्नाटक में वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित करने की इच्छुक : मंत्री पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दावोस। कर्नाटक के उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि नोकिया कॉरपोरेशन ने कर्नाटक में एक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) और अतिरिक्त अनुसंधान केंद्र स्थापित करने में रुचि दिखाई है। दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 25 वर्षों से अधिक समय से कर्नाटक से जुड़ी हुई है और बेंगलूरु में अपना सबसे बड़ा वैश्विक अनुसंधान केंद्र संचालित करती है।

नोकिया ने टियर-2 शहरों सहित पूरे राज्य में अपना परिचालन बढ़ाने पर चर्चा की। यह चर्चा दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) शिखर सम्मेलन के मौके पर नोकिया के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य सरकार के बीच हुई बैठकों के दौरान हुई। पाटिल ने कहा कि सरकार ने नोकिया की भविष्य की विस्तार योजनाओं के लिए पूरे सहयोग का भरोसा दिया है।

मंत्री ने विश्व आर्थिक मंच की 'यस-बीएलआर अपलिंक' पहल को समर्थन देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। इस पहल का उद्देश्य टिकाऊ शहरी विकास पर आधारित 'यस बेंगलूरु' कार्यक्रम को सरकार-उद्योग सहयोग के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच के रूप में विकसित करना है। पाटिल ने कहा कि विश्व आर्थिक मंच में अपलिंक के प्रमुख जॉन डटन के साथ बैठक के दौरान इस पहल पर विस्तार से चर्चा की गई।

यह कार्यक्रम शहरी विकास से जुड़ी वास्तविक और शहर-केंद्रित चुनौतियों पर काम करने वाले स्टार्टअप को वित्तीय सहायता, परामर्श और प्रायोगिक अवसर देता है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूईएफ अपलिंक प्रतिनिधिमंडल ने इस पहल के लिए कर्नाटक सरकार के समर्थन की सराहना की है। मंत्री ने कहा कि वैश्विक साइबर सुरक्षा फर्म क्लाउडफ्लेयर के साथ केडब्ल्यूआईएन सिटी परियोजना में शामिल होने और राज्य में भविष्य के विस्तार पर भी चर्चा की गई।

राज्यपाल गहलोत के कथित अपमान के विरोध में कर्नाटक विधान परिषद तीन बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद में कांग्रेस के सदस्य बी. के. हरिप्रसाद द्वारा राज्यपाल थावरचंद गहलोत के कथित अपमान को लेकर शुक्रवार को जोरदार हंगामा हुआ, जिसके कारण सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। दो बार के स्थगन के बाद, परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी ने आदेश दिया कि हरिप्रसाद के आचरण को नैतिक समिति के पास भेजा जाए, क्योंकि संबंधित मामले में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने शिकायत दर्ज कराई थी। होरट्टी ने हरिप्रसाद की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें राष्ट्रगान बजने का इंतजार किए बिना राज्यपाल के सदन से बाहर चले जाने के कथित अपमान पर चर्चा करने की बात कही गई थी। कर्नाटक विधानमंडल के संयुक्त सत्र को बृहस्पतिवार को संबोधित करने के बाद जैसे ही गहलोत जाने लगे, हरिप्रसाद ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जबकि अन्य कांग्रेस विधायकों ने उन्हें घेरने का प्रयास किया था।

शुक्रवार को सत्र शुरू होते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने राज्यपाल के साथ कथित अभद्र व्यवहार को लेकर हरिप्रसाद को सदन से निलंबित करने की मांग की। भाजपा सदस्यों ने एक स्वर में नारे लगाते हुए कहा, ''हम गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने राज्यपाल का अपमान किया है। हरिप्रसाद को निलंबित किया जाए।'' इसके तुरंत बाद कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य एवं मंत्री हरिप्रसाद के समर्थन में आ गए और उन्होंने भाजपा के खिलाफ नारेबारी की।

विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को शांत कराने का प्रयास किया और कुछ सदस्यों को फटकार भी लगाई। विपक्ष के नेता सी. नारायणस्वामी ने कहा कि हरिप्रसाद का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि राज्यपाल ने राष्ट्रगान का अपमान किया और कहा कि गहलोत के जाते समय राष्ट्रगान बजाया ही नहीं गया था।

नारायणस्वामी ने कहा, ''हरिप्रसाद को सदन से निलंबित किया जाए। हम इस तरह की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। राज्यपाल का अपमान संविधान का अपमान है।'' हरिप्रसाद ने आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्यपाल को राष्ट्रगान बजने तक रुकना चाहिए था, लेकिन उन्होंने इंतजार नहीं किया और चले गए। उन्होंने इसे राष्ट्रगान का अपमान बताया।

सभापति होरट्टी ने कहा कि राज्यपाल के कथित अपमान से संबंधित नोट में किसी का नाम दर्ज नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने संयुक्त सत्र का विवरण मांगा है। रिपोर्ट आने दीजिए। हंगामा जारी रहने के कारण होरट्टी ने अंततः सदन की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा की। होरट्टी ने कार्यवाही को फिर से शुरू करने के दो और प्रयास किए और दोनों ही मौकों पर उन्हें सदन को स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जीकेवीके परिसर में आज किसान महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्ष का पहला कृषि उत्सव 24 जनवरी को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक जीकेवीके परिसर में गणपति मंदिर के पास मनाया जा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, विस्तार शिक्षा इकाइयों और अनुसंधान केंद्रों द्वारा विकसित कृषि उत्पादों/कृषि उपकरणों के लिए और विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक सलाह से किसानों और किसान उत्पादक संगठनों द्वारा विकसित कृषि उत्पादों और उपकरणों के लिए एक प्रदर्शनी और बिक्री प्रणाली का आयोजन किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस बार, किसान उत्सव की खासियतों में तरबूज, खरबूजा, मटर, गोबर से बने विभिन्न उत्पाद (पैसे, दीवार पर टांगने वाली वस्तुएं, मोबाइल स्टार, गणेश की मूर्तियां आदि), उच्च गुणवत्ता वाले राजामुदी चावल, ताजे मशरूम, स्वास्थ्यवर्धक फलों और सब्जियों के पेय मिश्रण, सजावटी मछली के टुकड़े आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अनाज के मूल्यवर्धित उत्पाद, जैविक उत्पाद, बागवानी उत्पाद (आम, कटहल, सुगंधित और औषधीय पौधे, सजावटी पौधे), जैव उर्वरक, कृषि मशीनरी, वर्मीकम्पोस्ट, पौध संरक्षण उत्पाद (जैविक कीटनाशक), हस्तशिल्प उत्पाद (सुपारी उत्पाद, रेशम उत्पादन के उप-उत्पाद, मधुमक्खी पालन), व्यावसायिक उत्पाद, पशुपालन, कृषि प्रकाशन, विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी आदि का प्रदर्शन और बिक्री होगी।

केन्द्रीय विद्यालय यलहंका में किशोर जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यलहंका स्थित वायुसेना स्टेशन के केंद्रीय विद्यालय में एक विशेष किशोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 22 जनवरी को किया गया। इस सत्र का नेतृत्व डॉ. सुजाता ने किया।

जिन्होंने छात्राओं को किशोरावस्था से जुड़े महत्वपूर्ण शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों के बारे में संबोधित किया। इस दौरान होने वाले परिवर्तन और बदलावों को समझने और मानसिक तनाव से कैसे मुक्त रहा जाएं को प्रभावी ढंग से समझाया। डॉ. सुजाता ने मानसिक लचीलेपन और खुले संवाद के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिससे छात्राओं को स्वास्थ्य और कल्याण की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई। इस अवसर पर केवी एएफएस यलहंका के प्राचार्य और स्टाफ उपस्थित थे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया, जिससे इन सेवाओं को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि उन्हें अभी तक आदेश की प्रति नहीं मिली है और वह इसकी समीक्षा करने के बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे। हालांकि, उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकल पीठ का आदेश रद्द कर दिया है।

मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। अब खंडपीठ ने उस आदेश को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली है। एक बार फैसले की प्रति आ जाने दीजिए, मैं इसे पढ़कर आप सभी से चर्चा करूंगा।'' कंपनी 'उबर' ने अदालत के इस फैसले का स्वागत किया है। 'उबर' ने एक बयान में कहा, हम कर्नाटक में बाइक टैक्सी को यात्री परिवहन के वैध माध्यम के रूप में मान्यता देने के माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हैं।'' कंपनी के अनुसार, बाइक टैक्सियां भारतीय शहरों के लिए आवाजाही का एक महत्वपूर्ण साधन हैं।

बयान के अनुसार, इस फैसले से उन लाखों वाहन चालकों को भी राहत मिलेगी जो अपनी आजीविका के लिए बाइक टैक्सियों पर निर्भर हैं। हम इस यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने और शहरों की आवाजाही संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस ने पार्टी नेता राजीव गौड़ा को निलंबित किया

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य राजीव गौड़ा को पार्टी से निलंबित कर दिया जिन्होंने शिदलाघट्टा नगर आयुक्त के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। कांग्रेस नेता के खिलाफ 14 जनवरी को नगर आयुक्त अमृता गौड़ा की शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अमृता गौड़ा ने आरोप लगाया था कि उन्होंने उनकी तस्वीर वाला बैनर हटाने पर फोन पर उन्हें गाली और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

आदेश में कांग्रेस राज्य अनुशासन समिति के अध्यक्ष के. रहमान खान ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए राजीव गौड़ा को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। घटना के 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस उनका पता नहीं लगा पाई है।

रैगिंग, मारपीट के आरोप में 22 छात्रों और एक बाहरी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के एक कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग करने और एक स्टाफ सदस्य से मारपीट करने के आरोप में 22 छात्रों और एक बाहरी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी के फरार संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि देवनहल्ली स्थित आकाश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' के दाखिला विभाग के प्रमुख मिथुन माधवन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर 16 जनवरी को मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर 14 जनवरी को कैंपस में प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ रैगिंग की और उन्हें सिगरेट और पेय पदार्थ लाने और उनकी किताबें ढोने जैसे आदेशों का पालन करने के लिए मजबूर किया। जब जूनियर छात्रों ने माधवन से संपर्क किया, तो उन्होंने सीनियर छात्रों को ऐसी हरकतें न दोहराने की चेतावनी दी। सीनियर छात्रों ने 15 जनवरी को कथित तौर पर रैगिंग फिर से शुरू कर दी, जिसके बाद जूनियर छात्रों ने माधवन को इसकी सूचना दी। पुलिस के अनुसार, इसके बाद माधवन जूनियर छात्रों के साथ कॉलेज के पीछे एक चाय की दुकान के पास सीनियर छात्रों से मिलने गए और उन्हें चेतावनी दी। इस दौरान स्थिति और बिगड़ गयी तथा सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर जूनियर छात्रों और माधवन से मारपीट की। प्राथमिकी में कहा गया है कि सीनियर छात्रों के साथ आए एक बाहरी व्यक्ति नवीन ने कथित तौर पर उन पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया तथा उन्हें धमकी दी।

पर्यटकों के वाहन और बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत

उडुपी/दक्षिण भारत। उडुपी जिले में शुक्रवार को एक बस और पर्यटकों के एक वाहन के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मियार के पास करकला-बजागोली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही करकला पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना के कारण इस मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

द्रमुक सरकार की एकमात्र उपलब्धि भ्रष्टाचार और वंशवाद : पलानीस्वामी

मदुरंतकम। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को द्रमुक के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि उसकी एकमात्र उपलब्धि तमिलनाडु में ''भ्रष्टाचार'' और ''वंशवादी शासन को कायम रखना'' है। विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहली रैली को संबोधित करते हुए 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के नेता ने कहा कि अपने बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने वाले मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन केवल अपने बेटे को ही मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। चेन्नई से लगभग 87 किलोमीटर दूर स्थित मदुरंतकम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, ''द्रमुक सरकार की साढ़े चार साल की अवधि में एकमात्र उपलब्धि भ्रष्टाचार है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/77
दिनांक: 13.01.2026

Sl.#	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	घाट विभाग पर दो वर्ष की अवधि के लिए डीजी सेटों का समग्र रखरखाव अनुबंध का पुरस्कार।	रु. 3,65,123.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.02.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/80
दिनांक: 13.01.2026

2	चित्रदुर्गा - शिथिलग्रस्थ क्वार्टरों का बदले टाईप-2, 4 यूनिटों का कर्मचारी क्वार्टरों का पुनरनिर्माण कार्य। टाईप-1, क्वार्टर नं. 4/एफ, 5/ए-बी और 13/ए (टाईप-2 के लिए संशोधित, 8 यूनिटों) के बदले क्वार्टर नं. 4/बी, सी, डी और ई का निर्माण।	रु. 16,49,189.20

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.02.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु
PUB/830/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

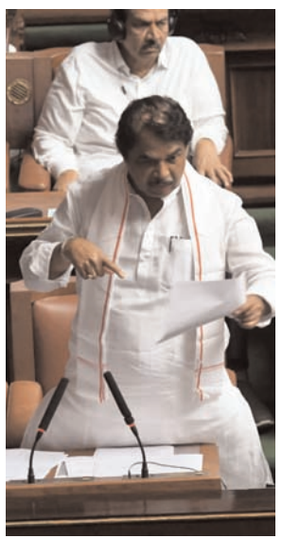

द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है : मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में ''भ्रष्ट'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु राजग के धोखे को भूला नहीं है। तमिलनाडु में राजग के चुनाव प्रचार की शुरुआत के लिए चेन्नई के नजदीक मदुरांतकम जाने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, तमिलनाडु राजग के साथ है। मैं आज बाद में मदुरांतकम में आयोजित रैली में राजग नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि भ्रष्ट द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है।

भाजपा ने कर्नाटक में 2,500 करोड़ रुपये के आबकारी घोटाले का आरोप लगाया, मंत्री के इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विपक्षी भाजपा ने शुक्रवार को कर्नाटक के आबकारी विभाग में 2,500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए विधानसभा की कार्यवाही के दौरान राज्य के आबकारी मंत्री आर बी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग की। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने इस मुद्दे को उठाते हुए दावा किया कि आबकारी लाइसेंस प्रक्रिया के माध्यम से ली गई रिश्वत को असम और केरल जैसे राज्यों में चुनाव खर्चों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करते हुए आबकारी लाइसेंसों की नीलामी की जा रही है। इस मुद्दे ने सदन में उस समय टकराव की स्थिति पैदा कर दी जब अध्यक्ष यू टी खादर ने कांग्रेस विधायक ए एस पोन्नाना को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा। अशोक ने आपत्ति जताई और कहा कि कथित आबकारी घोटाले पर उनका कार्य स्थगन नोटिस पहले लिया जाना चाहिए। इसके जवाब में अध्यक्ष ने कहा कि नोटिस पर कार्य स्थगन प्रस्ताव के तहत विचार नहीं किया जा सकता है और इस मामले पर बाद में किसी अन्य नियम के तहत चर्चा की जा सकती है। हालांकि, अशोक और भाजपा विधायक सुनील कुमार ने मांग की कि स्थगन नोटिस को खारिज करने से पहले उनकी प्रारंभिक दलीलें सुनी जाएं। उन्होंने अध्यक्ष से कहा, कृपया नियमों का पालन करें। अध्यक्ष ने उनके आग्रह पर अशोक को उनकी शुरुआत बात रखने की अनुमति दी।

विपक्ष के नेता ने कहा, राज्य में शराब से संबंधित लगभग 2,500 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है, जिसका ऑडियो भी सामने आया है। आबकारी विभाग में लाइसेंसों की नीलामी हो रही है। इस घोटाले के संबंध में मंत्री और उनके बेटे का नाम सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह तीसरा मामला है। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि इस संबंध में लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा, मंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। आरोप केवल ऑडियो पर आधारित नहीं है, इस संबंध में एक शिकायत भी है। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और इस पर चर्चा आवश्यक है। हमें इस मुद्दे को उठाने की अनुमति दें।

सुनील कुमार ने पूछा, इसमें रिश्वतखोरी शामिल है, इस मुद्दे पर चर्चा में देरी कैसे हो सकती है?अशोक के अनुसार, असम और केरल विधानसभा चुनावों के लिए रिश्वत या कमीशन के रूप में धन एकत्र किया जा रहा है। जैसे ही अध्यक्ष ने निर्धारित कार्यवाही को आगे बढ़ाया और कांग्रेस विधायक पोन्नन्ना को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करने की अनुमति दी, जिसका सत्तारूढ़ दल के विधायक प्रदीप ईश्वर ने समर्थन किया, भाजपा विधायकों ने मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध शुरू कर दिया। नारेबाजी के बीच, अध्यक्ष ने सदन को भोजनावकाश के लिए स्थगित कर दिया। हाल में, लोकायुक्त पुलिस ने बेंगलूरु शहरी जिले के आबकारी उपायुक्त जगदीश नाइक, आबकारी अधीक्षक थम्मन्ना के एम और आबकारी कांस्टेबल लक्कप्पा गनी को 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। उन पर एक आवेदक से सीएल-सात (होटल और गेस्ट हाउस) और आबकारी लाइसेंस जारी करने के लिए 80 लाख रुपये की मांग करने का आरोप था।

वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान
(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान)
33, जनरल महादेव सिंह मार्ग, देहरादून-248001
विज्ञापन सं.: 3001/01/सामान्य भर्ती/2026/स्था.

विज्ञापन

संस्थान में निम्नांकित नियमित पदों पर नियुक्ति के लिये पात्र भारतीय नागरिकों से ऑनलाईन आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं:-

क्रं. सं.	पद नाम	पदों की संख्या						वेतन लेवल (7वें केन्द्रीय वेतन आयोग अनुसार)
		ई. डब्ल्यू. एस.	सामान्य	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ी जाति	कुल पद	
ए	प्रशासनिक अधिकारी	-	01	-	-	-	01	पे मैट्रिक्स लेवल-7
बी	सहायक	-	02	-	-	01	03	पे मैट्रिक्स लेवल-6

उपर्युक्त पदों के लिये विस्तृत नोटिस, जिसमें शैक्षिक योग्यताएं, आयु सीमा, ऑनलाइन आवेदन की तिथि, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि, आवेदन शुल्क इत्यादि साम्मिलित हैं, हमारे संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यर्थी विवरणों के डाउनलोड कर सकते हैं तथा वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून की वेबसाईट www.wihg.res.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए कोई अन्य माध्यम/विधि स्वीकार्य नहीं होगी।

निदेशक, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान उपयुक्त अभ्यर्थी के उपलब्ध न होने पर अथवा किसी अन्य कारण से बिना कोई कारण नियत किए किसी भी या कभी आवेदनों को निरस्त करने या किसी भी पद को न भरने का सर्वाधिकार सुरक्षित रखते हैं।

अन्तिम तिथि रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन से 30 दिन तक होगी।

S/d-
रजिस्ट्रार

CBC 36122/12/0007/2526

सुविचार

जब तक आप किनारे को नहीं छोड़ोगे तब तक आप समुंदर को पार नहीं कर सकोगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्क्रीन में कैद न रह जाए बचपन

आंध्र प्रदेश सरकार ने किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को रोकने संबंधी उपायों पर विचार के लिए समिति गठित कर बच्चों के भविष्य के लिए बहुत जरूरी फैसला लिया है। आज कई बच्चे मोबाइल फोन में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। वे न तो खेलकूद में दिलचस्पी लेते हैं और न ही पढ़ाई करना उन्हें अच्छा लगता है। उन्हें बस एक मोबाइल फोन चाहिए, जिसमें इंटरनेट चलता हो। बाकी काम वे खुद कर लेंगे। जो बच्चे प्रकृति के साथ समय बिताते हैं, खेलकूद में भाग लेते हैं, दोस्त बनाते हैं, उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है। साथ ही, बचपन खुशहाल होने की संभावना ज्यादा होती है। वहीं, मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहने वाले बच्चों का बचपन स्क्रीन तक सीमित रह जाएगा। उनके पास बचपन की कौनसी मधुर यादें रहेंगी? हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब किसी बच्चे को माता-पिता ने मोबाइल फोन बंद करने के लिए कहा तो उसने अभद्रता की। कुछ बच्चे तो इतने बेकाबू हो जाते हैं कि घर में तोड़फोड़ करने लगते हैं। सोशल मीडिया पर एक मामला बहुत सुर्खियों में रहा था। एक बच्चे से कहा गया कि उसे मोबाइल फोन के बजाय पढ़ाई में ध्यान लगाना चाहिए, तो उसने टीवी, लैंप, बर्तन समेत कई चीजें तोड़ दी थीं। कई बच्चों के पास एक बहाना और होता है। जब उनसे कहा जाता है- 'आपने मोबाइल फोन बहुत चला लिया', तो उनका जवाब होता है- 'बस, दो मिनट और!' ये दो मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इस वजह से बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है, चश्मे के नंबर बढ़ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिबंधित करने के संबंध में सख्त कदम उठाए हैं। कोई भी सोशल मीडिया कंपनी नहीं चाहेगी कि उसके सदस्यों के विस्तार को रोका जाए। वह जानती है कि जिस बच्चे को उसकी लत लग जाएगी, वह भविष्य में उसका 'पक्का ग्राहक' बना रहेगा। ऐसे में सरकारों और माता-पिता को ही बच्चों की भलाई के लिए फैसला लेना होगा। कुछ सोशल मीडिया मंच यूजर की उम्र पूछते हैं। हालांकि उनके पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं होती, जिससे वे जन्मतिथि की जांच कर सकें। एक सुझाव यह दिया जा रहा है कि सोशल मीडिया मंच यूजर से आयु प्रमाणपत्र लेने के बाद ही उसे अकाउंट चलाने की अनुमति दें। इस सुझाव को लागू करने में कई समस्याएं हैं। अगर कोई यूजर अपना आयु प्रमाणपत्र अपलोड कर दे तो उसके डेटा की सुरक्षा की क्या गारंटी है? अक्सर खबरें आती हैं कि फलां वेबसाइट के यूजर्स का डेटा लीक हो गया। अगर प्रमाणपत्र हैकरों और साइबर अपराधियों के हाथ लग गए तो क्या होगा? अब एआई का जमाना है। अगर किसी ने उसका इस्तेमाल कर गलत प्रमाणपत्र अपलोड कर दिया तो सोशल मीडिया कंपनी उसकी जांच कैसे करेगी? जो लोग चेहरे और आवाज का इस्तेमाल कर नकली वीडियो बना सकते हैं, उनके लिए नकली प्रमाणपत्र बनाना कौनसी बड़ी बात है? एक तरीका यह हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय बच्चों को सोशल मीडिया का सीमित इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। इसके लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य हो। बच्चों के अकाउंट से सिर्फ उस सामग्री तक पहुंच मिलनी चाहिए, जो उनके लिए लाभदायक हो। एक दिन में आधा या एक घंटे से ज्यादा अकाउंट चलाने की अनुमति न हो। यह अवधि पूरी होते ही अकाउंट से अपनेआप लॉग आउट कर दिया जाए। जो बच्चा उसी दिन दोबारा लॉग इन करे तो उसे तीन दिन के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। अगर फिर भी लॉग इन करे तो सात दिन के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। इन उपायों से बच्चे अनुशासित होंगे। उन्हें सोशल मीडिया की लत नहीं लगेगी। उनका बचपन भी खुशहाल होगा।

जो लोग चेहरे और आवाज का इस्तेमाल कर नकली वीडियो बना सकते हैं, उनके लिए नकली प्रमाणपत्र बनाना कौनसी बड़ी बात है? एक तरीका यह हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय बच्चों को सोशल मीडिया का सीमित इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार की उपलब्धता और उनके कौशल विकास हेतु हमारी सरकार संकल्पित है। इसी दिशा में आज बसंत पंचमी और पराक्रम दिवस के पावन अवसर पर जयपुर में 'विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल' की स्थापना की घोषणा की।

-भजनलाल शर्मा

इस पुण्य अवसर पर पूज्य आचार्य प्रवर का आशीर्वाद ग्रहण कर और उनके आध्यात्मिक अनुष्ठानों और प्रेरणादायी वचनों का श्रवण कर आत्मिक ऊर्जा में वृद्धि हुई। आचार्यश्री के पावन सान्निध्य में संवाद का अवसर भी मिला, जो अत्यंत प्रेरक रहा।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

आज विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा स्थित शहीद योगेश अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षा गुणवत्ता एवं अभिभावक सहभागिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित मेगा पीटीएम में शिरकत की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

गुरुता की पराकाष्ठा

एक बार दो पंडित दादू जी का सत्संग सुनने और उन्हें गुरु बनाने की इच्छा से उनके पास पहुंचे। जब वे उनकी कुटिया के पास पहुंचे, तो रास्ते में एक आदमी नंगे सिर बाहर जा रहा था। पंडितों ने इसे अपशकुन समझा और अपशकुन टालने के लिए उस आदमी को दोनों हाथों से थप्पड़ मार दिए। फिर उन्होंने पूछा, 'दादू साहिब का डेरा कहां है?' आदमी ने अंगुली से इशारा करते हुए कहा, 'वह रहा।' जब वे डेरे में पहुंचे, तो पता चला कि दादू साहिब बाहर गए हुए थे। पंडितों ने इंतजार किया। जब दादू जी लौटे, तो पंडितों ने देखा कि ये तो वही आदमी है, जिसे उन्होंने थप्पड़ मारे थे। यह देखकर दोनों थर-थर कांपने लगे, लेकिन दादू साहिब हंसते हुए बोले, 'लोग दो टके की माटी की हंडिया लेने से पहले उसे टक्कर मारकर देखते हैं, तुम गुरु धारण करने आए हो, तो खूब छककर टकोरो। जब दिल माने, तभी गुरु स्वीकार करो।'

सामयिक

राष्ट्रीय बालिका दिवस : सशक्त बेटियाँ, समृद्ध राष्ट्र

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी आधी आबादी-स्त्रियों और बालिकाओं-को कितना सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करता है। भारत, जो स्वयं को विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में गिनता है, इस कसौटी पर आज भी पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया है। एक ओर हमारे शास्त्रों में नारी को 'शक्ति', 'जननी' और 'सृजन की आधारशिला' कहा गया है, तो दूसरी ओर सामाजिक यथार्थ में कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा, शिक्षा से वंचन और असुरक्षा जैसी समस्याएँ आज भी हमारे सामने खड़ी हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक विवेक को झकझोरने का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कन्याओं का उत्थान केवल एक वर्ग विशेष का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई, जब यह महसूस किया गया कि बालिकाओं से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित एक विशेष दिन की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य स्पष्ट था-बालिकाओं के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समान अवसर उपलब्ध कराना। यह दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहाँ बेटी का जन्म उत्सव का कारण बने, बोझ का नहीं। दुर्भाग्यवश, आज भी देश के कई हिस्सों में बेटी का जन्म चुप्पी और चिंता के साथ स्वीकार किया जाता है, जबकि बेटे के जन्म पर उत्सव मनाया जाता है। यह मानसिकता ही समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है।

आँकड़े इस सच्चाई को और स्पष्ट करते हैं। हाल के वर्षों में लिंगानुपात में कुछ सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन यह सुधार असमान और असंतुलित है। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। कन्या भ्रूण हत्या और लिंग चयन जैसी अमानवीय प्रथाएँ कानून के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। प्राथमिक स्तर पर नामांकन बढ़ा है, लेकिन किशोरावस्था तक पहुँचते-पहुँचते बड़ी संख्या में लड़कियाँ स्कूल छोड़ देती हैं। गरीबी, घरेलू काम का बोझ, असुरक्षित परिवेश, परिवहन की कमी और सामाजिक दबाव इसके प्रमुख कारण हैं। यह स्थिति केवल बालिकाओं की व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि देश की मानव संसाधन क्षमता पर सीधा आघात है।

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करने की बात करता है, तब यह अनिवार्य हो जाता है कि हम अपने सामाजिक आधार को भी उतना ही मजबूत करें। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक उपलब्धियाँ तब तक अधूरी हैं, जब तक समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बालिकाएँ-सुरक्षित और सम्मानित नहीं हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें इसी अधूरेपन का एहसास कराता है।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी बालिकाओं की स्थिति चिंताजनक है। कुपोषण, एनीमिया और कम उम्र में विवाह व मातृत्व उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करते हैं। एक कमजोर और अस्वस्थ बालिका आगे चलकर स्वस्थ समाज की नींव नहीं रख सकती। इसके साथ ही, सुरक्षा का प्रश्न लगातार गंभीर होता जा रहा है। यौन हिंसा, घरेलू उत्पीड़न और अब साइबर अपराधों ने बालिकाओं के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यह विडंबना ही है कि जिस समाज में नारी को देवी कहा जाता है, उसी समाज में वह सबसे अधिक असुरक्षित भी है।

सरकारों ने समय-समय पर बालिकाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का काम किया है। शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं ने कई बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रवृत्तियाँ, मुफ्त साइकिल और पोषण अभियान जैसे प्रयासों ने यह साबित किया है कि यदि नीति और नीयत सही हो, तो बदलाव संभव है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि योजनाओं की सफलता उनके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है, और यही वह क्षेत्र है जहाँ अभी भी गंभीर सुधार की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, जागरूकता की कमी और सामाजिक उदासीनता कई अच्छी योजनाओं को कागज़ों तक सीमित कर देती हैं।

हालाँकि यह समझना भी उतना ही आवश्यक है कि बालिकाओं का उत्थान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। समाज और परिवार की भूमिका इसमें कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। जब तक माता-पिता बेटे और बेटी में भेद करना नहीं छोड़ेंगे, जब तक बेटी की शिक्षा को जरूरत' नहीं बल्कि अनावश्यक खर्च' समझा जाएगा, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। परिवार ही वह पहली पाठशाला है जहाँ समानता, सम्मान और आत्मविश्वास के बीज बोए जाते हैं। यदि वही पाठशाला भेदभाव सिखाएगी, तो समाज से बदलाव की उम्मीद करना व्यर्थ होगा।

शिक्षा बालिकाओं के सशक्तिकरण की सबसे मजबूत आधारशिला है। शिक्षित बालिका न केवल अपने अधिकारों को पहचानती है, बल्कि समाज में अपनी भूमिका को भी आत्मविश्वास के साथ निभाती है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती है, निर्णय लेने में सक्षम होती है और अगली पीढ़ी को भी बेहतर दिशा देती है। यही कारण है कि बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करना दरअसल राष्ट्र के भविष्य में निवेश करना है। आज आवश्यकता है कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखा जाए, बल्कि जीवन कौशल, तकनीकी प्रशिक्षण और आत्मरक्षा जैसे पहलुओं को भी इसमें शामिल किया जाए।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का महत्व इसी व्यापक दृष्टि में निहित है। यह दिन हमें केवल समस्याएँ गिनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि समाधान की दिशा में सोचने और संकल्प लेने का मंच भी प्रदान करता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बालिकाओं के अधिकार कोई दया या अनुदान नहीं, बल्कि उनका जन्मसिद्ध अधिकार हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपनी बालिकाओं को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त नहीं बना सकता, वह दीर्घकालिक प्रगति का सपना भी नहीं देख सकता।

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करने की बात करता है, तब यह अनिवार्य हो जाता है कि हम अपने सामाजिक आधार को भी उतना ही मजबूत करें। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक उपलब्धियाँ तब तक अधूरी हैं, जब तक समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बालिकाएँ-सुरक्षित और सम्मानित नहीं हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें इसी अधूरेपन का एहसास कराता है।

अंततः यह कहना अनुचित नहीं होगा कि कन्याओं का उत्थान केवल सामाजिक सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व और भविष्य का सवाल है। जब एक बालिका भय के बिना जन्म ले सके, शिक्षा के साथ अपने सपनों को आकार दे सके और सम्मान के साथ समाज में जी सके, तभी यह देश वास्तव में प्रगतिशील कहलाएगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हमें केवल भाषण और आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का ईमानदार प्रयास करना चाहिए। क्योंकि सच यही है कि सशक्त बालिका ही सशक्त भारत की सबसे मजबूत नींव है।

नजरिया

युवा शक्ति, शिक्षा प्रणाली और समस्याओं का अंबार

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

दुनिया में मनुष्य के पास शिक्षा एक ऐसा बेशकीमती मौका है, जो जीवन में हर क्षेत्र, हर उच्च पद, काबिलियत और विकास का जरिया बनता है और हर वह मुकाम हासिल करने के लायक जो मनुष्य चाहता है, यह शिक्षा ही दिलाती हैं। इसके साथ ही मनुष्य के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी भी शिक्षा पर होती है, मनुष्य के बेहतर जीवनयापन और जीवन में आनेवाली समस्याओं को हल करने की ताकत शिक्षा देती हैं। शिक्षा मनुष्य को संस्कारित करने के साथ-साथ उनके कलागुणों को निखारती है, आज प्रतियोगिताओं के युग में हमें अधिक कुशल बनाने में सहायक है और सतत प्रगतिपथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करके पथ प्रदर्शित करती हैं। मनुष्य ऐसी ही शिक्षा की कल्पना अपने जीवन के लिए करता है, जो उसके जीवन को सफल और सार्थक कर दें। शिक्षा पर हर एक मनुष्य का समान हक है और दुनिया में प्रत्येक को शिक्षा का यह अधिकार मिलना ही चाहिए ताकि वह अपना जीवन को बेहतर बना सकें, शिक्षा का भी यही उद्देश्य होता हैं। दुनिया में जिन देशों ने शिक्षा की गुणवत्ता और महत्व को समझा है, आज वह देश संपन्न राष्ट्रों में गिने जाते है, छोटे - छोटे देश भी शिक्षा की गुणवत्ता के बलबूते पर विकसित और प्रबल बन चुके हैं। यूनेस्को ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2026 की आधिकारिक थीम है शिक्षा को मिलकर बनाने में युवाओं की शक्ति घोषित की हैं।

देश में नई शिक्षा प्रणाली और कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है, ताकि युवाओं के सपनों को ऊंची उड़ान मिल सकें। फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वर्तमान कार्यबल के लगभग 39 प्रतिशत के कौशल साल 2030 तक अप्रचलित अर्थात पुराने हो जाने की प्रबल संभावना हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, सिर्फ़ 54.8 प्रतिशत भारतीय युवा ही नौकरी के काबिल माने जाते हैं, और कई लोगों में कार्यस्थल पर सफल होने के लिए आवश्यक डिजिटल दक्षता, अनुकूलनक्षमता और सॉफ्ट स्किल्स की कमी हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो डेटा के मुताबिक, 2022 में भारत में गिरफ्तार हुए सभी नाबालिगों में से लगभग आधे 49.5 प्रतिशत हिंसक अपराधों में शामिल थे, यह 2016 के 32.5 प्रतिशत के मुकाबले बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी है। राष्ट्रीय बाल अपराध दर 2022 में प्रति लाख बच्चों पर 6.9 से थोड़ा बढ़कर 2023 में 7.1 हो गया। दिल्ली में बच्चों में सबसे ज़्यादा अपराध दर, प्रति लाख बच्चों की आबादी पर 41.1 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय औसत से बहुत ज़्यादा हैं। मानसिक तनाव की समस्या तेजी से बढ़ी है, देश के युवाओं में यह समस्या लगातार बढ़ रही है, बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद के साथ-साथ आसानी से मिलने वाले मानसिक सहयोग की कमी और लगातार सोशल स्टिग्मा की वजह से युवा मानसिक स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहे हैं। साल 2020-22 में, भारत में 15-29 साल के लोगों में आत्महत्या की वजह से 60,700 से ज़्यादा मौतें हुईं, जो दुनिया में सबसे ज़्यादा हैं। शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी बढ़ रही है क्योंकि पढ़ाई और नौकरी मार्केट की ज़रूरतों के बीच कौशल का मेल नहीं है, जबकि कई लोग कम फ़ायदों वाली, छोटे पद या जोखीमभरी नौकरियों में काम करने को मजबूर हैं। आज भी किसी सरकारी दफ्तर में चपरासी के पद के लिए पदभर्ती के विज्ञापन आने पर हजारो उच्च शिक्षित युवा उस चपरासी के पद के लिए आवेदन करते हैं। दोस्तों के दबाव और तनाव या मौजमस्ती के कारण युवाओं के नशे की लत के जाल में फंसने की संभावना बहुत अधिक बढ़ रही है और उनके उपचार, पुनर्वसन, साधनसंपन्न सुविधा केंद्रों की कमी इस समस्या को अधिक खराब कर रही हैं।

देश में बेरोजगारी का आलम तो हम सभी जानते ही है, लेकिन दशकों तक रिक्त पदों पर नई भर्ती न करना व्यवस्था या कार्यप्रणाली को कमजोर बना देती हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र राज्य के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में स्वीकृत प्रोफेसर पद 258 है, इसमें से वर्तमान में कार्यरत केवल 86 है, बाकि 66 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता हैं। यह सिर्फ एक विश्वविद्यालय की ही नहीं, अपितु संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य में यही परिस्थिति है, देश के कुछ अन्य राज्यों के हालात भी कुछ अलग नहीं हैं।

कैग रिपोर्ट 2025 अनुसार, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में भारी गड़बड़िया मिली है, इस योजना के अंतर्गत 56.14 लाख युवाओं को ट्रेनिंग दी गई, उसमे से केवल 23.18 लाख युवाओं को रोजगार मिला, जबकि 32.96 लाख युवा अर्थात 58.71 प्रतिशत युवा कौशल विकास योजना का लाभ लेकर भी बेरोजगार ही रह गए हैं। इसमें 13.33 प्रतिशत युवा उम्मीदवार कौशल के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। 94.53 प्रतिशत मामलों में बैंक अकाउंट डिटेल्स खाली थी, 94 प्रतिशत से ज्यादा बैंक खातों की वैध जानकारी नहीं थी, इस कारण 34 लाख युवाओं को 500 रुपये का रिवॉर्ड भी नहीं मिला। इस योजना में एक ही स्थान के प्रशिक्षण के फोटो का इस्तेमाल अनेक राज्यों में हो रहा था, अनेक ट्रेनिंग सेंटर असल में बंद थे, लेकिन सेंटर कागजों पर चल रहे थे। अधिकतम युवा उम्मीदवारों की ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी फेक दिए गए थे। इस योजना के अंतर्गत 2015 से 2024 के बीच कुल 9261 करोड़ रुपया खर्च किया गया है, लक्ष्य 1.32 करोड़ युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देना था और 1.1 को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुआ कागजों पर, लेकिन कैग ने इसे आंकड़ों का खेल बताया।

देश में लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता समाज में एक बड़ी खाई का निर्माण कर रही है, इससे विकास कार्य में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट यूथ पल्स 2026 : बदलती दुनिया के लिए अगली पीढ़ी की सोच के निष्कर्ष अनुसार, 48.2 प्रतिशत ने बढ़ती आर्थिक विषमता को सबसे बड़ा संकट बताया हैं। इस सर्वेक्षण में 144 देश शामिल हुए। 57 प्रतिशत युवाओं ने वित्तीय चिंताओं को तनाव का प्रमुख कारण बताया हैं। 57.2 प्रतिशत युवाओं ने रोजगार निर्माण या उपलब्धता को प्राथमिकता दी है, जबकि 46.1 प्रतिशत युवाओं ने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता को जरुरत माना हैं।

देश में बेरोजगारी का आलम तो हम सभी जानते ही है, लेकिन दशकों तक रिक्त पदों पर नई भर्ती न करना व्यवस्था या कार्यप्रणाली को कमजोर बना देती हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र राज्य के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में स्वीकृत प्रोफेसर पद 258 है, इसमें से वर्तमान में कार्यरत केवल 86 है, बाकि 66 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता हैं। यह सिर्फ एक विश्वविद्यालय की ही नहीं, अपितु संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य में यही परिस्थिति है, देश के कुछ अन्य राज्यों के हालात भी कुछ अलग नहीं हैं। कई राज्यों में शिक्षा विभाग की स्थिति काफी भयावह हैं। कई राज्यों में शिक्षा विभाग के घोटाले अक्सर सुनाई देते है, भ्रष्टाचार, परीक्षा पर्चा लिक, जाली दस्तावेज, नकली भर्ती, परीक्षा में डमी परीक्षार्थी, नकली पदवी खरीद मामला जैसे अनेक मामले दिनोंदिन उजागर होते रहते हैं। इन सब के कारण शिक्षा जैसे पवित्र पेशे को कालिख पोत दी जाती है, और नुकसान देश के वर्तमान व आनेवाली पीढ़ी को भुगतना पड़ता हैं।

देश के निजी शिक्षा संस्थान और अनेक राज्यों के सरकारी विद्यालयों, संस्थानों के बिच बहुत बड़ा अंतर है, जो समय के साथ तेजी से बढ़ता ही जा रहा हैं। पिछले दशक (लगभग 2014-2024) में भारत में लगभग 90,000 सरकारी स्कूल बंद हो चुके है और इस दौरान भारत में प्राइवेट स्कूलों की संख्या में लगभग 42,944 की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, ऐसा सरकारी आंकड़े और यूनेस्को की रिपोर्ट बताती हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और योग्यतानुसार रोजगार या व्यवसाय उपलब्धता ये तीन बाते मनुष्य को सहज उपलब्ध होनी चाहिए। इसमें कभी भी भेदभाव या आर्थिक विषमता रूकावट नहीं होनी चाहिए। देखा जाए तो देश का पूरा भविष्य उस देश की शिक्षा निति और उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती हैं। अच्छी शिक्षा समाज और देश के प्रत्येक क्षेत्र में काबिल और जिम्मेदार कर्तृत्वशैली युक्त प्रभावी युवा शक्ति का निर्माण करती हैं। शिक्षा से संस्कार, ज्ञान, कौशल और सुजान नागरिक बनकर व्यक्ति देश और विश्व में पथप्रदर्शित करते हैं। विकसित देशों का उदाहरण हमारे सामने है, ओलंपिक जैसे विश्व स्तरीय खेलों में छोटे - छोटे देश पदक तालिका में ऊपर होते हैं। जो देश उन्नत हुए, वे अपने मजबूत और कौशल्यपूर्ण शिक्षा प्रणाली के बलबूते पर। आनेवाला कल भी उसी देश का उज्ज्वल होगा, जो शिक्षा के गुणवत्ता को समझेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'बॉर्डर 2' की रिलीज से पहले सनी देओल ने ताजा की आईएनएस विक्रांत की यादें, गर्व से भर उठे अभिनेता

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर छा चुकी है, क्योंकि हर कोई वीडियो पोस्ट कर 'बॉर्डर-2' की स्टारकास्ट को कमेंट करने के लिए टैग कर रहा है। फिल्म की रिलीज में बहुत कम समय बचा है और बॉर्डर के 'फतेह सिंह कलेर' यानी सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के प्रमोशन की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं जिसमें वे पूरी टीम के साथ दिख रहे हैं। फोटोज में 'बॉर्डर-2' की टीम को नौसेना के अधिकारों के साथ आईएनएस विक्रांत पर देखा जा रहा है। एक फोटो में अभिनेता वायु सेना के अधिकारियों के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान कई गानों को सेना को समर्पित करते हुए उनके सामने ही लॉन्च किया गया। फोटोज पोस्ट कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, कुछ जगहें सिर्फ आपको घेरती नहीं हैं, बल्कि आपको बदल देती हैं। आईएनएस विक्रांत ने मुझे अपार गर्व, शक्ति और साहस से भर दिया। यह एक ऐसा पल है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। हमारी नौसेना, हमारे बलों और उस जज्बे को सलाम जो हर दिन हमारी मातृभूमि की रक्षा करता है।

प्रमोशन के दौरान उन सैनिक परिवारों को भी बुलाया गया, जिनके बेटे या पति देश की रक्षा में कुर्बान हुए थे। फिल्म के मेकर्स ने सभी शहीदों को ट्रेलर लॉन्च से लेकर गानों के रिलीज के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित की। फिल्म 23 जनवरी को रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म को रिलीज से पहले झटका लगा है। फिल्म को खाड़ी देशों में बैन कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में फिल्म के रिलीज पर बैन लगा दिया है। ये पहला मौका नहीं है कि जब किसी देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्म को खाड़ी देशों में बैन का सामना करना पड़ा है। इससे पहले रिकॉर्डतोड़ कमाई करने वाली फिल्म 'धुरंधर' को भी खाड़ी देशों में बैन किया गया, हालांकि इससे फिल्म की कमाई पर कोई खास फर्क नहीं देखने को मिला है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की अपनी ही पार्टी में विरोध के स्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। हाल के दिनों में वैश्विक सुर्खियों से यह आभास हो रहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जे की योजना शीघ्र साकार हो सकती है। लेकिन अब ग्रीनलैंड ट्रंप के लिए एक तरह से 'बूमरैंग' साबित हो रहा है क्योंकि उन्हें अपने ही देश में और अपनी ही पार्टी में इस मुद्दे पर विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के लिए की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की सफलता से उत्साहित ट्रंप ने अपनी आक्रामक बयानबाजी तेज कर दी थी और विरोध करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं का मजाक उड़ाते हुए उनके निजी संदेश सार्वजनिक किए और ग्रीनलैंड पर अमेरिकी झंडा फहराते हुए अपनी एआई-जनित तस्वीर भी साझा की। हालांकि, इन सुर्खियों के पीछे एक अलग वास्तविकता सामने आई है, जिसने ग्रीनलैंड के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और यूरोप पर प्रस्तावित शुल्क लगाने के उनके रुख को कमजोर कर दिया है। अमेरिकी जनता के बीच ट्रंप की सैन्य धमकियों को बेहद नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। जनमत सर्वेक्षणों में यह विकल्प अत्यंत अलोकप्रिय साबित हुआ।

इप्सोस के एक हालिया सर्वे के अनुसार, केवल चार प्रतिशत अमेरिकी नागरिक ही ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सैन्य बल के उपयोग का समर्थन करते हैं। इस असंतोष के चलते रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लिए ट्रंप के पास तीन विकल्प माने जाते हैं कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और सैन्य बल। हालिया कूटनीतिक प्रयास उस समय विफल हो गए, जब ग्रीनलैंड और डेनमार्क के विदेश मंत्रियों ने क्षेत्र के भविष्य को लेकर गंभीर मतभेदों के साथ वार्ता समाप्त कर दी।

ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव भी खारिज हो चुका है, क्योंकि वहां के लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह क्षेत्र बिक्री के लिए नहीं है और अमेरिकी कांग्रेस भी इसके लिए धन स्वीकृत करने को तैयार नहीं है।

ऐसे में सैन्य विकल्प ही शेष बचता है, लेकिन यही सबसे जोखिमपूर्ण साबित हो रहा है। प्रतिनिधि सभा और सीनेट में कई रिपब्लिकन सांसदों ने ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध करने के संकेत दिए हैं। पर्याप्त विरोध की स्थिति में अमेरिकी कांग्रेस ट्रंप की योजनाओं पर रोक लगा सकती है। इसके अतिरिक्त, नाटो सहयोगियों के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिकी सैन्य नेतृत्व के स्तर पर भी असहमति की आशंका जताई जा रही है। यूरोप ने भी इस संभावित खतरे को गंभीरता से लिया है। डेनमार्क और उसके सहयोगियों ने ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है, जिसे रणनीतिक रूप से 'ट्रिपवायर फोर्स' माना जा रहा है। इसका उद्देश्य किसी भी आक्रमण की कीमत बढ़ाना और अमेरिका को आसान जीत से रोकना है। आर्थिक मोर्चे पर भी यूरोप जवाबी कदमों पर विचार कर रहा है। यूरोपीय संघ के पास ऐसा तंत्र है, जिससे वह अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचा सकता है।

'द राइज ऑफ अशोक' में 1,000 कलाकार, 138 दिन में पूरी हुई फिल्म : सतीश निनासम

चेन्नई/एजेन्सी

कन्नड़ सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता सतीश निनासम अपनी आने वाली फिल्म 'द राइज ऑफ अशोका' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म 70वें दशक के उस समय की कहानी पर आधारित है, जब कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा के पास रहने वाले एक युवक ने समाज के पुराने नियमों और परंपराओं को चुनौती दी। सतीश निनासम ने प्रेस मीट के दौरान खुलासा किया, ''इस फिल्म में कम से कम 1,000 कलाकार शामिल हैं और इसे शूट करने में कुल 138 दिन लगे। यह फिल्म अपनी भारी भरकम कास्ट, विशाल सेट और विस्तृत योजना के कारण कई मायनों में विशेष महत्व रखती है।'' अभिनेता ने कहा, ''यह कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सरकारी नौकरी पाने की कोशिश करता है और अपने परिवार और समुदाय में लागू परंपराओं के बंधनों से खुद को आजाद करना चाहता है। यह कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष की नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के सामाजिक बदलाव की प्रेरक कहानी है।''

सतीश निनासम ने बताया, ''उस समय के परिवेश और जीवनशैली को फिर से बनाने में कई चुनौतियां थीं। अब के समय में गांवों में बड़े-बड़े मकान और सड़कें हैं, जबकि उस समय की वास्तविकता पूरी तरह अलग थी। इसलिए फिल्म में पुराने जमाने के कच्चे घर, कच्चे रास्ते और उस समय के दैनिक जीवन की सादगी को असली दिखाने की कोशिश की गई है।''सतीश ने कहा, ''फिल्म में शामिल प्रत्येक कलाकार के हाव-भाव, पोशाक और अभिनय पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि कहानी का वास्तविकता से मेल खाता अनुभव दर्शकों तक पहुंच सके। इस फिल्म में सभी पात्रों का महत्व है और उनकी भूमिका केवल पृष्ठभूमि भर नहीं है, बल्कि कहानी की गहराई और प्रभाव को बढ़ाने में मदद करती है।''अभिनेता ने बताया, ''निर्देशक ने सीजी तकनीक (कंप्यूटर जनित चित्रण) का उपयोग करके 1,400 शॉट्स को यथासंभव वास्तविक दिखाया है। फूलों से भरे खेतों को बड़ा दिखाना या बिजली के तारों को सीन्स से हटाना, जैसी विजुअल्स के लिए सीजी की मदद ली गई। इस काम को पूरे होने में लगभग छह महीने लगे। सीजी इस तरह से तैयार किया गया है कि दर्शक इसे पकड़ भी नहीं पाएंगे और फिल्म वास्तविक और प्राकृतिक लगेगी।'' फिल्म में सप्तमी गौड़ा मुख्य भूमिका में हैं, जो पहले फिल्म 'कांतारा' में नजर आ चुकी हैं।

सुधार आधारित निवेश के माहौल ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में मदद की : माथुर

बीजिंग/भाषा। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने शुक्रवार को कहा कि नीतियों के स्थिर माहौल और अनुमान योग्य, सुधार आधारित निवेश के माहौल ने हाल के दिनों में भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरने में मदद की है। महावाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा कि शंघाई इंटरनेशनल बिजनेस कोऑपरेशन फोरम के 11वें संस्करण में माथुर ने 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहलों को वैश्विक रैंकिंग में नई दिल्ली के शीर्ष क्रम पर आने के जरूरी कारक के तौर पर परिभाषित किया। माथुर ने आगामी एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी के बारे में विस्तार से बात की, जिसकी मेजबानी भारत 19-20 फरवरी को करेगा और इसमें 'जन (पीपुल), पृथ्वी (प्लेनेट) और प्रगति (प्रोग्रेस)' के सिद्धांतों पर ध्यान दिया जाएगा।

माथुर ने भारत की वैश्विक दक्षिणोन्मुखी, जन केंद्रित और समावेशी नीतियों, मसलन 'भाषिणी' के बारे में भी बात की, जिसने एक लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप तंत्र को बढ़ावा देने की देश की क्षमता को बढ़ाया है।

सरकार का 'भाषिणी' एआई मंच एक सुरक्षित 'क्लाउड' माहौल में टेक्स्ट, नंबर, आवाज, तस्वीर और वीडियो का अनुवाद करने की सुविधा देता है।

महावाणिज्य दूत ने कहा कि इस प्रक्रिया में, भारत ने फिनटेक, डीप-टेक, ग्रीन टेक्नोलॉजी और दूसरे नए और उभरते क्षेत्रों में यूनिकॉर्न की तरक्की भी सुनिश्चित की। माथुर ने एक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया जिसमें 400-500 निवेशक और साझेदार शामिल थे। उन्होंने इस सत्र में विनिर्माण, संपर्क, कराधान और कॉर्पोरेट शासन जैसे कई क्षेत्रों में भारत में किए जा रहे प्रणालीगत सुधारों पर बात की।

जुलूस

अगरतला में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के मौके पर आयोजित जुलूस में स्कूली छात्र हिस्सा लेते हुए।

'गनमास्टर जी9' से नई शुरुआत करने जा रही जेनेलिया देशमुख

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की चुलबुली अदाकारा जेनेलिया देशमुख एक बार फिर अपने अभिनय करियर में नए अध्याय की शुरुआत कर रही हैं। चुनिंदा फिल्मों के बाद अब जेनेलिया ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म को उन्होंने 'नई शुरुआत' का टैग दिया है। यह फिल्म न केवल उनके करियर के लिए अहम मानी जा रही है, बल्कि दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है। जेनेलिया ने इस नए सफर की झलक इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की। इस पोस्ट में उनके चेहरे का एक साइड प्रोफाइल दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर पर उन्होंने लिखा, 'नई शुरुआत'। इस पोस्ट में जेनेलिया ने फिल्म का नाम भी साझा किया। जिस फिल्म से जेनेलिया यह नई शुरुआत कर रही हैं, उसका नाम 'गनमास्टर जी9' है। यह एक एक्शन और जासूसी कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें उनके साथ अभिनेता इमरान हाशमी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'गनमास्टर जी9' साल 1979 में बनी चर्चित जासूसी फिल्म 'सुरक्षा' से प्रेरित मानी जा रही है। उस दौर में 'गनमास्टर जी9' का किरदार अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इसी किरदार को नए समय, नई सोच और नए अंदाज में पेश किया जा रहा है। फिल्म में पुराने जासूसी रोमांच के साथ आधुनिक प्रस्तुति देखने को मिलेगी।इस फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि फिल्म में एक्शन के साथ-साथ संगीत भी कहानी को मजबूती देगा। इसके अलावा, जेनेलिया जल्द ही निर्देशक राम गोपाल वर्मा की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे। खास बात यह है कि यह पहली बार होगा जब जेनेलिया और मनोज बाजपेयी एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। फिल्म डर और हास्य का अनोखा मेल बताई जा रही है।

'तस्करी' में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'तस्करी' में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। 'तस्करी' को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। आईएएनएस से बात करते हुए जोया अफरोज ने कहा, ''मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया।''

जोया ने बताया कि फिल्म 'कुछ ना कहो' समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा। जोया ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत

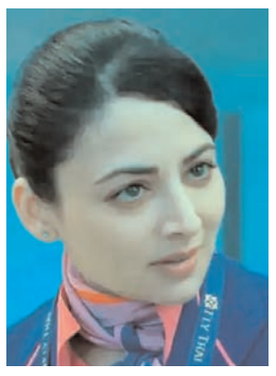

करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज 'तस्करी' जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'' 'तस्करी' में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है।

जोया ने कहा, ''यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है।''इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, ''जब मुझे 'तस्करी' का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।'' उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है।

इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं। अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। 'तस्करी' मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

मर्दानी से थप्पड़ तक : 2014 के बाद बदली हीरोइन की परिभाषा, बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

मुंबई/एजेन्सी

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को शुरू किए गए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और उसके साथ जुड़ी 'सुकन्या समृद्धि योजना' ने देश के हर कोने में बालिकाओं के सशक्तीकरण की नई इबारत लिखी है। भाजपा की सरकार आने के बाद न केवल महिलाओं को सशक्त करने के लिए कई योजनाएं लाई गईं, बल्कि बॉलीवुड ने भी महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी: रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

हिचकी: 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'हिचकी' में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी: 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी: फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं। विक्की कौशल, जयदीप अहलावत और संजय सूरी ने भी अपने-अपने किरदारों के जरिए फिल्म को सशक्त बनाया।

थप्पड़: अनुभव सिन्हा की फिल्म 'थप्पड़' ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

द केरल स्टोरी: निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्दगिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। शालिनी को पहले पाकिस्तान और फिर सीरिया ले जाया जाता है। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

'केसर लगाकर मुमुक्षु लवेश सिंघवी 'संयम पथ' पर आरोहण करने के लिए तैयार'

साधु साध्वियों की निश्रा में मुमुक्षु का केसर समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के तत्वावधान में पंडितरत्न व्याख्यानी श्री ज्ञानमुनि जी म सा, उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, लोकेशमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, ऋद्धिश्रीजी के सान्निध्य में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर शुक्र को पंच दिवसीय कार्यक्रमों के तहत केसर समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों तथा बाहर गांव बड़ी संख्या में गुरु भक्तों की उपस्थिति रही। ङ्कमुमुक्षु लवेश के दीक्षोत्सव प्रसंग पर आयोजित हुए केसर समारोह पर ज्ञानमुनिजी व नरेशमुनिजी सहित विभिन्न साधु साध्वियों ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए मुमुक्षु लवेश सिंघवी को संयम मार्ग पर आगे बढ़ने पर अपनी मंगल शुभ कामनाएं देते हुए मुमुक्षु के संयम साधना पथ पर अग्रसर होने पर मंगल अनुमोदना की। उन्होंने कहा कि शूरवीर ही संयम के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। संयम लेना कायरों काम नहीं है। केसर रंग यह शूरवीरता, विजय, साहस, ओज, तेज और वीरता का प्रतीक माना गया है। कामना है कि केसर के गुणों की तरह मुमुक्षु अपने ललाट पर केसर तिलक लगाकर अपने जीवन में संयम पथिक बनकर मुक्ति की मंजिल के शिखर पर पहुंच कर अपने कर्मों पर विजय प्राप्त करें। संतों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुमुक्षु भगवान महावीर के जिन शासन की, श्रमण संघ, गुरु पुष्कर की बगिया को महकाते हुए उत्तरोत्तर ज्ञान वृद्धि विकास करते हुए जिन शासन की महती प्रभावना करते हुए अमर ध्वजा को लहराते हुए हमेशा आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर साध्वीश्री चंदनप्रभाजी को भी उनके 49 वें संयम दीक्षा दिवस शुभकामनाएं दी गई। शुक्रवार को वसंत पंचमी पर्व पर अनेक महापुरुषों के दीक्षा दिवस, स्मृति दिवस पर उन्हें याद करते हुए उनके गुण स्मरण किए गए।ङ्कसंपूर्ण दीक्षोत्सव के लाभार्थी भंसाली एवं रातड़िया परिवार की ओर से केसर समारोह एवं मध्यान्ह में सांझी आदि के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सिंधनूर निवासी बम्ब परिवार एवं लाभार्थी धर्म परिवारों द्वारा प्रभावना वितरित की गई। आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने बताया कि शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से दीक्षार्थी मुमुक्षु लवेश सिंघवी के संयम शोभायात्रा सह वर्षीदान वरघोड़ा पार्क वेस्ट क्लब हाउस से प्रारंभ होकर गुरुवन्ना देवरु मठ पहुंच कर धर्म सभा में परिवर्तित होगा। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। प्रवचन कार्यक्रम का संचालन शालिभद्रमुनि जी एवं केसर समारोह का संचालन महावीरचंद मेहता ने किया।

निमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट में 1 फरवरी को आयोजित होने वाले हिंदू समाजोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के निवेदन के साथ चामराजपेट के भाजपा युवा मोर्चा सचिव एवं आरएसएस के कार्यकर्ता शिशांक आदि ने मुनिश्री पुलकित कुमारजी के दर्शन कर कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया। मुनिश्री ने अनुकूलता अनुसार कार्यक्रम में उपस्थित रहने की स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर अनेक अन्य सदस्य उपस्थित थे।

वसंत पंचमी पर बाबा श्याम का वसंती श्रृंगार बना आकर्षण का केन्द्र

'बाबा श्याम का पीला वस्त्र किसी वरदान से कम नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में वसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बाबा श्याम की प्रतिमा का पीले फूलों से विशेष सजावट की गई तथा दिन भर मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ खुला रहा। सुबह से बाबा के वसंती श्रृंगार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वसंत पंचमी के मौके पर बाबा की प्रतिमा द्वारा पहनी गई पीली पोशाक को बदल कर नई पोशाक पहनाई जाती है। बाबा के तन से लगी यह बदली गई पोशाक को बहुत ही शुभ माना जाता है। यह पीला वस्त्र किसी वरदान से कम नहीं माना जाता। इस पीले वस्त्र को अपने पास रखने से व्यापार, सन्तान प्राप्ति, शादी विवाह व परिवार में सुख शांति के लिए वरदान साबित होता है, ऐसा माना जाता है। इस वस्त्र को पाने के लिए हर श्रद्धालु लालायित रहता है और शुक्रवार को इस वस्त्र के हिस्से को पाने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

गोड़वाड़ महासभा का स्नेह मिलन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। गोड़वाड़ जैन महासभा का स्नेह मिलन कल रविवार को एक निजी रिसॉर्ट में आयोजित होगा। तैयारियों का जायजा लेने हेतु गोडवाड़ भवन में आयोजित सभा में महासभा के महामंत्री प्रवीणकुमार चांदावत ने बताया कि स्नेह मिलन के संपूर्ण लाभार्थी पुष्पाबाई भवरलाल श्रीश्रीमाल परिवार के सम्मान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। महासभा के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने बताया कि दिन भर चलने वाले कार्यक्रम में गोडवाड़ कार्निवल एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ 85 वर्ष आयु एवं उससे ऊपर की आयु वाले गोड़वाड़वासियों का सम्मान किया जाएगा। स्नेह मिलन के चेयरमैन अश्विन सेमलानी ने बताया कि शहर के विभिन्न उपनगरों से आवागमन हेतु बसों की व्यवस्था रखी गई है। सभा में किरण कांकरिया, निर्मल धोका, महीपाल सुराणा, राजेश राठौड़, गोपाल सिसोदिया, भरत सेमलानी, राहुल सुराणा, अशोक बंबोली, कैलाश कांकरिया, उत्तम चांदावत आदि ने उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए।

समाज उत्थान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है : मुनि पुलकित कुमार

ईटा अपार्टमेन्ट पहुंची तेरापंथ महिलाओं की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिश्री पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा ईटा गार्डन अपार्टमेंट में अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा की अध्यक्षता में संगठन यात्रा संपन्न हुई। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा, महिलाओं की समाज उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाएं गुरु इंगित की आराधना करते हुए आध्यात्मिक उन्नति करने का प्रयास करें। मुनिश्री ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरणा देते हुए कहा, किसी के पास मोबाइल हो या न हो पर चेहरे पर स्माइल जरूर होनी चाहिए, यही पारिवारिक प्रसन्नता का सूत्र है। ङ्कअध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने मुनि द्वय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म संघ एवं संगठन दोनों ही समाज के विकास के लिए एवं स्वयं के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरु इंगित जो भी आध्यात्मिक कार्य या अखिल भारतीय संगठन से मानव सेवा या समाज सेवा का कार्य हो, आप सबका सहयोग हमारे लिए महत्वपूर्ण रहता है और हम सब मिलकर लक्ष्य तक पहुँचें, यही संगठन यात्रा का उद्देश्य है । ङ्कमंत्री विजेता रायसोनी ने संगठन की महत्ता को उजागर करते हुए महिला मंडल की प्रत्येक गतिविधि में सदस्याओं को सक्रियता से जुड़ने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित आगामी कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। संयोजिका इंदु खिवेंसरा तथा नीता गादिया ने कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। शिविर के प्रायोजक महेन्द्र संदीपश्रीमाल परिवार द्वारा द्वारा बैनर अनावरण किया गया।

'मातृछाया' ने किदवई अस्पताल में रोगियों को किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की सदस्याओं ने शुक्रवार को किदवई अस्पताल में कैंसर उपचाराधीन रोगियों के लिए एक बार पुनः सेवा कार्य का आयोजन किया। इस अवसर पर रोगियों को स्टील वाटर फ्लास्क एवं टिफ़िन प्रदान किए गए। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी रोगियों से मुलाकात की।

सचिव रेशमा बड़ोला ने उपचाराधीन रोगियों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्हें निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। मीना सोलंकी एवं रीटा प्रेमजी ने संस्था के सेवा कार्यों की जानकारी साझा की। किदवई सोशल वेलफेयर ऑफिसर किरण कुमार ने बताया कि मातृछाया संगठन प्रत्येक दो-तीन माह में किदवई अस्पताल में आकर सेवा-सहयोग प्रदान करता आ रहा है। इस सेवा कार्य में सचिनकुमार रमेशकुमारजी संघवी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मातृछाया संगठन ने लाभार्थी परिवार को धन्यवाद दिया।

'राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट' की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान संघ (कर्नाटक) ट्रस्ट की वर्ष 2026-29 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ जिसमें भेरूमल भंडारी व अशोक गजानन को सलाहकार बनाया गया। अनिल संकलेचा को चेयरमैन, कैलाश संकलेचा को अध्यक्ष व अमित मेहता को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही ओमप्रकाश लुणावत व अरविंद खिंवेसरा को उपाध्यक्ष, भोपाल सोनवाड़िया को कोषाध्यक्ष, महावीर मेहता को सहमंत्री, कमल पुनमिया को मोक्षरथ-वाहिनी चेयरमैन, जिनेश मेहता को सहचेयरमैन, मनोज बाफना को मेट्रिमोनियल चेयरमैन व राजेश श्रीश्रीमाल को सहचेयरमैन, प्रकाश भोजाणी को सदस्यता अभियान चेयरमैन बनाया गया। इसके अलावा 13 सदस्यों को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है।

चंद्र मिशन में शामिल न हो पाने की कसक रहेगी : सुनीता

कोझिकोड/भाषा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा से हाल में सेवानिवृत्त हुई अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा कि भले ही वह कई अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा रही हैं, लेकिन आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित चंद्र मिशन में शामिल नहीं हो पाने की उन्हें कसक रहेगी।

विलियम्स ने यह भी कहा कि वह पृथ्वी की उन जगहों पर घूमने का आनंद ले रही हैं जिन्हें उन्होंने आसमान से देखा था।

केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में बृहस्पतिवार को 'ड्रीम्स रीच ऑर्बिट' (सपने कक्षा में पहुंचते हैं) शीर्षक वाले सत्र के दौरान विलियम्स ने कहा, चांद पर कौन नहीं जाना चाहता... नासा में शामिल होने का मेरा मूल कारण यही था इसलिए बेशक, मुझे 'फोमो' (कुछ छूट जाने की कसक) होगी, लेकिन मैं अपने मित्रों को ऐसा करते देखने के लिए, अपने साथी मनुष्यों को यह कदम उठाते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।

नासा 1972 के बाद अपना पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन आर्टेमिस-द्वितीय शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने देशवासियों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित मंजूनाथ शिक्षण संस्थान में शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती उल्लास से मनाई गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत, संस्थान के प्रमुख नागराज, अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

इस मौके पर महेंद्र मुणोत ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक ऐसी महान शख्सियत थे जिनका एक ही सपना था आजाद हिंदुस्तान। उन्होंने विदेश की धरती पर आजाद हिंद फौज की रचना करके हजारों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा। उन्होंने 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' उद्घोष से देशवासियों में देशभक्ति की भावना को जगाया। सुभाषचंद्र बोस का जन्म दिवस देश पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

नेपाली कांग्रेस ने गगन थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

काठमांडू/भाषा। नेपाली कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी प्रमुख गगन थापा को मार्च में होने वाले आम चुनावों के लिए प्रधानमंत्री पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया। यह घोषणा ललितपुर जिले के सनेपा स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित नव-निर्वाचित केंद्रीय कार्य समिति की बैठक के दौरान की गई। नेपाली कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, पार्टी उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश शर्मा ने 49 वर्षीय थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का प्रस्ताव रखा जिसका उपाध्यक्ष पुष्पा भुसाल ने समर्थन किया ।

।। श्री वरकाणा पार्श्वनाथाय नमः।।
श्री गोडवाड़ जैन महासभा, बेंगलुरु
(वरकाणा जैन पेढ़ी में नामांकित 82 गांवों का परगना)
आपका सपरिवार हार्दिक स्वागत करता है
स्नेह मिलन
रविवार, दि. 25 जनवरी 2026
स्थल : एम.जी.मेझस (मिराया ग्रीन्स)
सर्वे नं. 73, सकलवारा रोड, ऑफ बन्नरघट्टा रोड, बेंगलुरु -83.
स्नेह-मिलन के सम्पूर्ण लाभार्थी
श्रीमती पुष्पाबाई-श्री भवरलालजी अमीचंदजी श्रीश्रीमाल परिवार, बाली
फर्म : मेघदूत टेक्सटाइल्स प्रा. लि.
बेंगलुरु - सूरत - कलकत्ता
ठीक प्रातः 7.30 बजे बेंगलुरु के विभिन्न उपनगरों से आवागमन के लिए बसों की व्यवस्था
कैप्टन : निर्मलकुमार धोका - 93530 07440
वी.वी.पुरम (नेशनल कॉलेज मेट्रो स्टेशन)
आकाश कांकरिया - 9845109065 क्रितिश कांकरिया - 9110426305
राकेश मेहता - 9449617120 राकेश परमार - 8217013134
गांधीनगर (पुराना पट्रोल पंप)
परेशकुमार बंदामुथा - 9886189232 उत्तम परमार - 9844326407
विजयनगर (पाइप लाइन जैन मंदिर) महेश चांदावत - 9886010053
चामराजपेट (मराठा हॉस्टल) - उत्तम चांदावत 9448889721
राजाजी नगर (राम मंदिर ग्राउंड) - सागर सुराणा - 9740641775
हनुमंत नगर (चौरड़िया भवन)
कैलाश कांकरिया - 98865 62522 कुणाल सुराणा - 9987208561
पार्क वेस्ट, ईटा गॉर्डन, प्रेस्टीज, शोभा
पल्लव मेहता पार्क वेस्ट - 9964384035
जयंतीलाल पगारिया ईटा गॉर्डन - 9845529027
सुशील सुराणा प्रेस्टीज - 9880823074
अमित कांकरिया शोभा इंद्रप्रस्थ- 9886089445

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**